04 - उपेक्षा और असंतुलित विकास की अधूरी पृष्ठभूमि

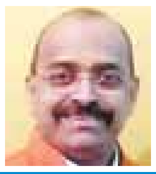
05 - धर्म के विग्रह स्वरूप हैं श्री राम

06 - अनुष्का शर्मा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित हो कर बढ़ाया...

07 - नर्मदापुरम में अवैध खनन पर भोपाल की टीम के छापे

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 27 मार्च, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 173, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार: क्या निशांत संभाल पाएंगे नीतीश की राजनीतिक विरासत?

सीटू तिवारी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के यहां इफ़्तार की दावत थी। 19 मार्च की शाम 6 बजे के आस-पास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने कैबिनेट सहयोगी विजय कुमार चौधरी के साथ पहुंचे थे। महज़ कुछ मिनट रुककर नीतीश वापस लौट गए। नीतीश के वापस लौटने के एक मिनट के भीतर ही निशांत अपनी सफेद गाड़ी में कड़ी सुरक्षा के बीच इस दावत में पहुंचे। निशांत की गाड़ी जीतन राम मांझी के आवास के अंदर लगी हुई थी। इसके चलते सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय से लेकर सभी नेताओं को अपनी गाड़ी आवास के बाहर छोड़कर पैदल ही इफ़्तार की दावत में शामिल होने आना पड़ा।

इस बीच जब सम्राट चौधरी आए तो कुर्सियां कम पड़ गई। निशांत उनके स्वागत के लिए उठे और एक साधारण सी काली कुर्सी पर बहुत सहज भाव से बैठ गए। बीती 8 मार्च को जेडीयू में शामिल हुए निशांत कुमार इस वक़्त बिहार की राजनीति का 'मोस्ट वॉच्ड' कैरेक्टर हैं।

ऊपर लिखे वाकये में निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर करीने से बनाई गई 'नीतीश स्ट्रैटेजी' दिखती है। साथ ही नीतीश कैबिनेट के मंत्रियों का निशांत को दिया जा रहा स्पेस और निशांत का सहज-सरल स्वभाव है। ऐसे में सवाल ये है कि निशांत क्या अपने पिता की विरासत को संभाल पाएंगे? साल 2003 में अस्तित्व में आई जेडीयू और उसकी वैचारिक ज़मीन समाजवाद को बचा पाएंगे और नीतीश के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद निशांत की सरकार में क्या भूमिका होगी?

ईद के दिन मुख्यमंत्री आवास पर अचानक निशांत ने पार्टी के प्रवक्ताओं की बैठक दोपहर साढ़े तीन बजे बुला ली थी। बीच में नीतीश कुमार भी आए लेकिन वह इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक के बाद प्रवक्ता ने कहा, 'पार्टी, सरकार पर ही बात होती रही। अभी तो उनको बहुत कुछ जानना है, लेकिन उनको देखकर मोह लगता है। वह राजनीति की कंटीली जमीन पर कैसे फिट होंगें?'

साल 1980 में जन्मे निशांत कुमार संकोची, सरल और आध्यात्मिक स्वभाव के हैं। नीतीश कुमार जब 1985 में पहली बार विधायक बने तो उन्हें सरकारी फ्लैट मिला। नीतीश कुमार के मित्र उदय कांत अपनी किताब 'नीतीश कुमार- अंतरंग दोस्तों की नज़र में' लिखते हैं, 'नीतीश कुमार को 94 और 95 नंबर के कमरों की यूनिट मिली जबकि उनके मित्र जगतानन्द को 83 और 84 नंबर की। दोनों ने पारस्परिक समझौता करके ऊपर और नीचे का एक-एक कमरा अदल-बदल कर लिया। इस तरह दोनों के दफ़्तर नीचे और रिहायशी कमरे ऊपर हो गए।'

निशांत की शुरुआती पढ़ाई पहले पटना के सेंट कैरेंस स्कूल में, फिर मसूरी के मानव भारती स्कूल में हुई। मसूरी में हॉस्टल में रहते हुए उनकी तबियत खराब रहने लगी तो उन्हें पटना वापस बुला लिया गया। निशांत का दाखिला बेली रोड (पटना) स्थित केन्द्रीय विद्यालय में कराया गया। कभी जेडीयू में रहे और बाद में राजद के टिकट पर विधानसभा लड़ चुके अजीत कहते हैं, 'नीतीश जी, निशांत को बहुत नियंत्रण में रखते थे। उसके दोस्त बहुत कम थे और वह संकोची स्वभाव का था। उसकी क्लास में सिर्फ़ उसी के पास क्रिकेट किट थी जिसके चलते कई बच्चे उसके साथ लगे रहते थे।

साल 2025 में जब निशांत कुमार की पार्टी में ज्वाइनिंग की चर्चा थी, उस वक्त नीतीश कुमार के करीबी और मंत्री श्रवण कुमार ने कहा था, 'निशांत को हम लोग सिर्फ़ अपने दादा-दादी या मां की पुण्यतिथि पर ही देखते हैं। बाकी वह घुलते-मिलते नहीं हैं।' राजनीति में व्यस्त नीतीश कुमार से ज्यादा निशांत अपनी मां मंजू कुमारी सिन्हा के ज्यादा करीब रहे। मंजू पेशे से शिक्षिका थी।

जेपी आंदोलन के समय से ही नीतीश के साथ रहे अशोक कुमार, फिलवक़्त पटना स्थित जेडीयू कार्यालय में कार्यालय सचिव हैं। उन्होंने निशांत को अपनी गोद में खिलाया है और ज़रूरत पड़ने पर डांटा भी है। अशोक बताते हैं, 'साहेब (नीतीश) तो व्यस्त रहते थे। इसलिए निशांत का लगाव मां के प्रति ज्यादा हो गया।

अजीत भी बताते हैं, 'मेरी मां तो गांव में रहती थी तो मंजू आंटी ही हम लोगों की गार्जियन की तरह थी। 2005 में मेरी शादी रांची में हुई थी तो निशांत आया था।लेकिन बाद में संपर्क टूट गया।' ढीला-ढाला कुर्ता पहने निशांत स्लीपर्स में भी सार्वजनिक आयोजनों में चले जाते हैं। वह बार-बार नीतीश कुमार के लिए 'पिता जी' और उनके सहयोगियों के लिए 'अंकल' शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर जय देव कहते हैं, 'अभी उन्हें अपनी बॉडी लैंग्वेज और वर्बल लैंग्वेज पर काम करना होगा। उनको अपनी एक स्वतंत्र पर्सनैलिटी डेलवेप करनी होगी।' पत्रकार संकर्षण ठाकुर अपनी किताब 'अकेला आदमी' में निशांत को 'एक विकट पहेली' बताते हैं, जिसे समझना उसके पिता नीतीश कुमार के लिए अक्सर उलझन बन जाता है। संकर्षण लिखते हैं, निशांत ने बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। निशांत अब धीरे-धीरे बोलने लगे हैं। बीती 8 मार्च को जेडीयू ज्वॉइन करने के बाद वह लगातार एक्टिव हैं।

लालू परिवार पर परिवारवाद को लेकर आक्रामक रहने वाले नीतीश कुमार बहुत स्ट्रैटेजिकली निशांत को लॉन्च और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। समाजशास्त्री और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंस (टिस) के पूर्व प्राध्यापक पुष्पेन्द्र कहते हैं, 'नीतीश स्ट्रैटेजिकली खुद को शर्मिन्दगी से बचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। वह चाहते है कि निशांत राजनीति में सक्रिय भी हों और उन पर परिवारवाद का आरोप भी न लगे।' लेकिन निशांत की इंट्री आम जेडीयू कार्यकर्ताओं के लिए उम्मीद है। हाल के दिनों में जेडीयू के नौजवान विधायकों ने टीम निशांत नाम से एक अनौपचारिक टीम तैयार कर ली है। इसी टीम के एक मेंबर और इस्लामपुर से विधायक रूहैल रंजन भी है। रूहैल रंजन बीआईटी मेसरा में निशांत कुमार के बैचमेट थे। रूहैल कहते हैं, 'मैं चाहता हूं कि निशांत बिहार को लीड करें। वह पढ़े-लिखे और संवेदनशील हैं। बहुत समझदारी से वक़्त और जगह के हिसाब से अपनी बात रखते हैं। लोगों में उनका क्रेज़ बढ़ा है।'

यह सही है कि निशांत कुमार आजकल जहां जा रहे हैं, वहीं उत्सुकतावश लोगों की भीड़ उमड़ती है। लेकिन पॉलिटिक्स में सहजता नहीं बल्कि वोटों का गणित और सरकार की जनपक्षीय नीतियों का एक बैलेंस साधना महत्वपूर्ण होता है, जो नीतीश कुमार ने अपनी जाति से इतर अपनी पॉलिटिकल कान्स्टीट्यूंसी बनाकर साबित किया। यही वजह है कि नीतीश के कई करीबियों से जब ये सवाल पूछा जाता है कि क्या निशांत, नीतीश की विरासत को संभाल पाएंगे? तो उनके लिए सीधा जवाब देना मुश्किल होता है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

इन दिनों
जब विदुषक के गेटअप में
मनोरंजन की भूमिका लिए
मंच पर थिरक रही हो कविता
और कॉफी हाउस की
धुँआती गोष्ठियों में किसी स्मेकिया
लड़के-सी कुंठित कर
रही हो प्रलाप
कवि
गा रहे हो बसंत-बहार
निर्जन पहाड़ों पर..मैदानों में
या नदियों के घुटने भर पानी में,
धरती
दरक रही हो बदस्तूर
बदस्तूर कायम हो भूख के सवाल
और आदमी निरंतर अनुपस्थित हो रहा
हो कविता से
तो जरूरी होता है
बेहद! जरूरी होता है
सूनी चौपालों में..सपनों में बच्चों के
गाँव के होठों पर रोपें हम शब्दों को
एक बेहतर कविता के लिए!

-सुरेश शर्मा,मनासा

• होर्मुज में तनाव के बीच सरकार बोली

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं

60 दिन का तेल भंडार मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे 'भ्रामक और दुष्प्रचार पर ध्यान न दें।

60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कवर्न) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है।

एलपीजी आपूर्ति भी पूरी तरह सुरक्षित- एलपीजी को लेकर भी सरकार ने किसी तरह की कमी से इनकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, घरेलू उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

सरकार बोली- ऐसा किया तो कार्रवाई होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से 'एलपीजी चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे। एलपीजी संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा। अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

पीएम मोदी ईरान जंग पर आज मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। इसमें ईरान जंग के बाद बिगड़े हालात पर चर्चा संभव है। चुनावी राज्यों के सीएम इसमें शामिल नहीं होंगे। मोदी ने 24 मार्च को राज्यसभा में कहा था कि ईरान जंग जारी रही तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आने वाला समय कोरोनाकाल जैसी परीक्षा वाला होगा। केंद्र और राज्य को मिलकर काम करना होगा।

नायरा ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 रू. महंगा किया

- भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 112 और डीजल 95 का हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच नायरा एनर्जी का पेट्रोल रू. 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 महंगा हो गया है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 111.72 रुपए और डीजल 94.88 रुपए पर पहुंच गया है। नायरा एनर्जी की ओर से की गई यह बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में वहां के लोकल टैक्स और वैट के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतों में 5.30 प्रति लीटर तक का इजाफा देखा गया है। नायरा के देशभर में करीब 7 हजार पेट्रोल पंप है।

सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए- हालांकि, सरकारी तेल कंपनियां जैसे आईएसीएल,एचपी और बीपी ने दाम नहीं बढ़ाए हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

सीएम मोहन यादव ने खोला विकास का खजाना

हनुमान लोक के लोकार्पण से पांढुर्णा को मिली विकास की नई उड़ान

छिंदवाड़ा। जाम सवाली हनुमान मंदिर में गुरुवार को आयोजित भव्य कार्यक्रम में हनुमान लोक के लोकार्पण के साथ जिले के विकास को नई दिशा मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की और 362 करोड़ रुपए के 67 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही पूरा परिसर जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने हनुमान लोक की परिकल्पना और उसके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाम सवाली का हनुमान मंदिर पहले से ही आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है, लेकिन हनुमान लोक बनने के बाद यह देश के बड़े धार्मिक स्थलों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह महाकाल लोक ने उज्जैन को वैश्विक पहचान दिलाई, उसी तरह पांढुर्णा भी धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर तेजी से उभरेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का फोकस केवल धार्मिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भी प्राथमिकता है। इसी के तहत सौसर में केंद्रीय विद्यालय, पांढुर्णा में कलेक्टर-एसपी कार्यालय, जिला अस्पताल, जिला पंचायत भवन और रेलवे ओवरब्रिज जैसे प्रोजेक्ट क्षेत्र के विकास को गति देंगे। हनुमान लोक के निर्माण से होटल, परिवहन, छोटे व्यापार और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन में कमी आएगी। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए इसे पांढुर्णा के इतिहास में मील का पत्थर बताया। लोकार्पण के बाद पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौट रही बस पलटी

10 मौतें, 30 से ज्यादा घायल

महिला और बच्चे का हाथ कटकर अलग, छिंदवाड़ा के सिमरिया में हादसा

छिंदवाड़ा (नप्र)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में पिकअप वाहन से टक्कर के बाद बस पलट गई। हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर समेत 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा घायल हैं। एक महिला और एक बच्चे का हाथ कटकर अलग हो गया, कुछ के सिर फूटे हैं।

हादसा गुरुवार शाम करीब साढ़े 6 बजे उमरानाला इलाके में हुआ। बस में 47 लोग सवार थे। यह छिंदवाड़ा के पुलिस लाइन में आयोजित हितग्राही सम्मेलन से लौट रही थी। इसी दौरान सिमरिया के पास पिकअप वाहन से टकरा गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए थे।

हादसे में 6 पुरुष, 3 महिला और एक बच्चे की मौत

छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के डीन अभय सिन्हा ने कहा- मृतकों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। एक घायल की हालत नाजुक है, जिसे नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उसके सिर पर गंभीर चोट है। खून के थक्के जम गए हैं। बाकी घायलों को यहीं रखा गया है।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायलों को पहुंचाया अस्पताल

घायलों को 6 एम्बुलेंसों से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इसके लिए पुलिस ने हादसे की जगह से अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया।

कलेक्टर हरेंद्र नारायण, भाजपा के जिला अध्यक्ष शेषराव यादव और कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे भी अस्पताल में मौजूद हैं।

नौवमी मां सिद्धिदात्री

मा सिद्धिदात्री आपको जीवन में अद्भुत सिद्धि, क्षमता प्रदान करती है ताकि आप सब कुछ पूर्णता के साथ कर सकें। सिद्धि का क्याअर्थ है। सिद्धि, सम्पूर्णता का अर्थ है विचार आने से पूर्व ही काम का हो जाना। आपके विचारमात्र, से ही, बिना किसी कार्य किये आपकी इच्छा का पूर्ण हो जाना यही सिद्धि है।

भोपाल का तापमान

2

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 27 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

स्वयंसिद्धा समूह का शक्ति सम्मान समारोह व कृति लोकार्पण 31 को

भोपाल। स्वयंसिद्धा शक्ति सम्मान समारोह 31 मार्च को दुष्यंत संग्रहालय भोपाल में होगा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में एडवोकेट रामकृष्ण पांडेय की कृति कवि मन का पुष्प और डॉ. अनीता तिवारी की कृति सोनजूही का लोकार्पण होगा। साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक समूह स्वयंसिद्धा की संस्थापक डॉ अनीता तिवारी ने बताया कि पहला सत्र सुबह 11 बजे तथा दूसरा सत्र दोपहर 2 बजे शुरू होगा। पहले सत्र में प्रख्यात पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री नारायण व्यास मुख्य अतिथि, केंद्रीय अंबेडकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति डॉ प्रकाश बरतूनिया विशिष्ट अतिथि, हिंदी लेखिका संघ की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अनीता सक्सेना विशिष्ट अतिथि, आईपीएस सुशोवन बनर्जी विशेष अतिथि, वरिष्ठ रंगकर्मी संजय मेहता विशिष्ट अतिथि तथा वरिष्ठ पत्रकार संपादक शशांक दुबे विशेष अतिथि होंगे। वरिष्ठ मूर्तिकार देवीलाल पाटीदार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे । दूसरे सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी मुख्य अतिथि और वरिष्ठ साहित्यकार नीलिमा रंजन विशिष्ट अतिथि होंगी। वरिष्ठ साहित्यकार महेश सक्सेना अध्यक्षता करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास उपायुक्त श्रीमती मनीषा दवे, शिक्षाविद एवं साहित्यकार मनीषा आवले चौगांवकर तथा वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती करुणा श्रीवास्तव विशेष अतिथि होंगी। समारोह में लेखक, साहित्यकार, शिक्षाविदों का सम्मान किया जाएगा। दूसरे सत्र में रचनाकारों द्वारा रचना पाठ किया जाएगा।

भारत-पाक सीमा पर रामनवमी की धूम

'लव जिहाद' की झांकी ने खींचा ध्यान

गैर नृत्य और जयकारों से राममय हुआ जैसलमेर

जैसलमेर (एजेंसी)। सीमावर्ती जिले जैसलमेर में रामनवमी का पर्व अगाध श्रद्धा, अभूतपूर्व उत्साह और सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाया गया। रेगिस्तान की सुनहरी रेत पर जब 'जय श्री राम' के उद्घोष गूंजे, तो पूरा शहर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। शहीद पूनम सिंह स्टेडियम से निकली विशाल शोभायात्रा ने इस बार न केवल धार्मिकता, बल्कि सामाजिक संदेशों की वजह से भी खूब सुर्खियां बटोरीं।

- **शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में उमड़ा जनसैलाब-** उत्सव का आगाज शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में भगवान रामलला की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। यहां

आयोजित धार्मिक सभा में वक्ताओं ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को भव्य बना दिया।

- **लव जिहाद की झांकी ने दिया कड़ा संदेश-** इस बार शोभायात्रा में धार्मिक प्रसंगों के साथ-साथ समसामयिक मुद्दों को भी जगह दी गई। झांकियों के बीच 'लव जिहाद' के मुद्दे पर आधारित एक विशेष झांकी चर्चा का विषय बनी। इस झांकी के माध्यम से धर्म की प्रधानता पर जोर देते हुए 'लव जिहाद' के कल्चर पर प्रहार किया।

जोधपुर में महिला ने तलवार चलाई, पहलगाम हमले की झांकी दिखी

जोधपुर में रामनवमी के मौके पर शोभायात्रा निकाली गई। इसमें राम दरबार, शिवाजी महाराज, पहलगाम हमले समेत अलग-अलग झाकियां शामिल हुईं। वहीं, महिला ने तलवारबाजी की। इस दौरान शोभायात्रा देखने पहुंचे विदेशी मेहमान भी नाचने लगे। सीएम भजनलाल शर्मा भी शोभायात्रा में शामिल हुए। उन्होंने घंटाघर पर भगवान श्री राम की पूजा की। खास बात ये है कि शोभायात्रा में उत्तर से लेकर दक्षिण की संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसमें केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश के कलाकार भी शामिल हुए। इस बार शोभायात्रा में 400 से अधिक झाकियां शामिल की गई।

श्रीराम मंदिर गुरु बख्श की तलैया में महा आरती आज, कन्या भोज संपन्न

भोपाल। श्रीराम मंदिर गुरु बख्श की तलैया, हमीदिया रोड (आईएसओ) में महाअष्टमी पर हवन, कन्या भोज हुआ। 27 मार्च को श्री राम नवमी का भव्य समारोह में महाआरती होगी। उल्लेखनीय है कि यह मंदिर अति प्राचीन, सुंदर और प्रतिमाएं दर्शनीय है। अध्यक्ष श्री ओम मेहता ने कहा कि प्रातःसात बजे से सुंदर काण्ड पाठ, प्रातः 9 बजे से पंचामृत स्नान, षोडशोपचार पूजन, श्रंगार एवं सहस्त्रार्चन होगा। प्रातः 10 बजे से सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री सुहासिनी जोशी द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति, दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव आरती होगी। बधाईयों के बाद प्रसाद वितरण तथा दोपहर 12-30 बजे से भंडारा शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर अफरा-तफरी

- धमाके जैसी आवाज से मचा हड़कंप, खाली कराई गई ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर गुरुवार दोपहर उस वक्त पैनिक स्थिति बन गई जब अचानक सर्कुलर लाइन के पास दो तेज धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं।

इसके बाद यात्रियों में घबराहट फैल गई और एहतियात के तौर पर मेट्रो के अंदर तुरंत अनाउंसमेंट किया गया। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेट्रो ट्रेन को तुरंत खाली कराया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद स्थिति का जायजा लिया गया। कुछ समय तक स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। अधिकारियों ने सतर्कता दिखाते हुए पूरे इलाके की जांच शुरू कर दी और मेट्रो संचालन को थोड़ी देर के लिए रोका गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और ट्रेन को खाली करवाकर रवाना कर दिया गया।

केरल सीएम बोले- राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी भी समझ नहीं

- हिमंता ने कहा- कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान में बनेगी, थरूर बोले- केरल बदलाव चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने गुरुवार को कहा- राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस देश में भाजपा की 'बी-टीम' हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पिनराई के बी टीम वाले बयान को बकवास बताया। थरूर ने कहा- हमें किसी की बी टीम में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि हम केरल की ए-टीम हैं। भाजपा और एलडीएफ दोनों नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आए। केरल के लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार भारत में तो नहीं, पाकिस्तान में बन सकती है।

घुंघरू और मंच : प्रोत्साहन मंच का तीन दिवसीय आयोजन

भोपाल। चाइल्ड राइट्स ऑब्जवेटरी और इसकी अनुषांगिक इकाई म्यूजिक एंड डांस टीचर्स फोरम द्वारा 28 से30 मार्च तक संगीत और नृत्य का कार्यक्रम प्रोत्साहन मंच द्वारा मंजरी हॉल में आयोजित किया जा रहा है । आयोजन का उद्देश्य संगीत और नृत्य के नवोदित कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच म उपलब्ध कराना है । आयोजन का यह दूसरा वर्ष है। आयोजन के तहत साांयकाल 5 से 6 बजे तक प्रतिदिन घुंघरु और धुन के सत्र होंगे। पहले दिन 28 मार्चनको कत्थक गुरु श्रीमती क्षमा मालवीय की शिष्याएँ प्रेक्षा नेमा, अवनी सिंह और वंशिका टेकाडे एकल और युगल नृत्य और सितार गुरु सुश्री स्मिता नागदेव की शिष्या उर्वी कुलकर्णी सितार वादन करेंगी । तीसरे दिन 29 मार्च को भारतनाट्यम की गुरु सुश्री श्वेता देवेन्द्र की शिष्याएँ इदिका देवेन्द्र और एशा मिश्रा के नृत्य और श्री अनूप शर्मा की शिष्या सुहानी सिंह का गायन होगा। तीसरेदिन 30 मार्च को कथक गुरु श्रीमती अल्पना वाजपेयी की शिष्याएं चेतना रश विश्वकर्मा और शिवाली श्रीवास्तव युगल कथक नृत्य का प्रदर्शन करेंगी और सुश्री स्मिता नागदेव की शिष्या लक्ष्मी जोशी का सितार वादन होगा।

प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, त्याग और आदर्शों का अनुपम उदाहरण है, जो हमें धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

युद्ध और खतरनाक मोड़ पर

- होर्मुज पर ताला लगाने वाले ईरानी नौसेना प्रमुख को इस्राइल ने किया ढेर
- 5 शर्तें रखने पर ट्रंप की ईरान को अंतिम चेतावनी
- जल्द सीरियस हो जाओ, पीछे मुड़ने का रास्ता भी नहीं छोड़ेंगे, ईरान ने अमेरिका की शर्तें खारिज की

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट जंग का 27वां दिन था। इस बीच गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरानी वार्ताकार समझौते के लिए विनती कर रहे हैं, और उन्होंने चेतावनी दी है कि समय तेजी से बीत रहा है, पीछे का रास्ता भी नहीं छोड़ेंगे। वहीं ईरान ने ट्रंप की सभी शर्तें खारिज कर दी है। इसीलिए यह समझा जा रहा जंग खतरनाक मोड़ पर पहुँच सकती है।

इजराइल ने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना चीफ अलिरेजा तंगसीरी को मारने का दावा किया है। इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि ईरान के बंदर अब्बास इलाके में हुई एयरस्ट्राइक में तंगसीरी मारे गए। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, तंगसीरी वही कमांडर थे जिन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की प्लानिंग की थी।

ट्रम्प बोले-

ईरान ने सुप्रीम लीडर बनने का ऑफर दिया, मैंने ठुकरा दिया - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें ईरान का सुप्रीम लीडर बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने इस पद को ठुकरा दिया।

ईरान बोला-

ट्रम्प की शर्तों पर जंग खत्म नहीं होगी,सीजफायर प्रस्ताव खारिज,रखी 5 शर्तें - ईरान ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की शर्तों पर जंग खत्म नहीं करेगा। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका ने मध्यस्थ देशों के जरिए जो प्रस्ताव भेजा, वह धोखा है और जमीनी हकीकत से कटा हुआ है और इसका मकसद सिर्फ दबाव बनाना है। ईरान ने कहा है कि युद्ध का अंत तभी होगा जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।

भारत और चार अन्य मित्र देशों को होर्मुज जलमार्ग से यात्रा की ईरान ने अनुमति दी

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी टकराव के बीच, ईरान ने यह घोषणा की है कि वह भारत समेत पांच मित्र देशों के जहाजों पर कोई भी प्रतिबंध नहीं लगाएगा। इससे उन्हें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की स्वतंत्रता प्राप्त होगी, जबकि अन्य देशों के लिए इस जलमार्ग की पहुँच सीमित रहेगी। इस संघर्ष के बीच, भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान

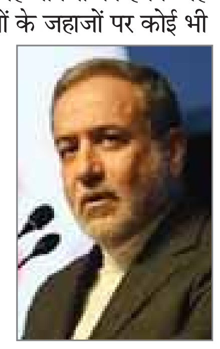

और ईराक के जहाजों को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से सुरक्षित यात्रा की अनुमति दी गई है।विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरानी सरकारी टेलीविजन पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बंद नहीं किया गया है और कुछ मित्र देशों को प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

आंध्र प्रदेश - डंपर से टकराकर बस में आग

13 जिंदा जले, 22 घायल

- 3 घंटे में आग पर काबू पाया गया, पीएम ने जताया शोक

तेलंगाना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का ऐलान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

मप्र लेखक संघ की हास्य व्यंग्य 29 को

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ की मासिक गोष्ठियों की श्रृंखला के अंतर्गत आगामी 29 मार्च को प्रादेशिक हास्य व्यंग्य का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार मुकेश वर्मा और व्यंग्यकारराजेन्द्र गट्टानी कार्यक्रम के अध्यक्ष होंगे ।

दुष्यंत कुमार संग्रहालय में आयोजित इस कार्यक्रम में व्यंग्य रचनाकारमलय जैन, डॉ. राज गोस्वामी, सुनील चतुर्वेदी, सुरेंद्रसिंह हमसफ़र, अशोकव्यास, सीमा हरि शर्मा, डॉ सुधा दुबे, कैलाश सोनी 'सार्थक', आलोक जैन, राजेन्द्र चौहान, डॉ. यशोधरा भटनागर और रामबाबू शर्मा अपनी व्यंग्यरचनाओं का पाठ करेंगे ।

मंत्री सारंग के मार्कफेड को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) कार्यालय में समीक्षा बैठक में संघ की गतिविधियों, उर्वरक वितरण व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन, परिसंपत्तियों के उपयोग एवं व्यवसाय विस्तार की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मार्कफेड को आत्मनिर्भर, आधुनिक एवं व्यावसायिक रूप से मजबूत संस्था बनाने के लिए सभी अधिकारी लक्ष्य आधारित कार्य करें। उन्होंने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, बंद औद्योगिक इकाइयों को पुनः प्रारंभ करने, संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग करने तथा गोदामों के पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उर्वरक (खाद) प्रबंधन एवं वितरण- बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 10.80 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध 23 मार्च तक 6.70 लाख मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। किसानों को स्थानीय स्तर पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री श्री सारंग ने वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा करते हुए बैंकों से प्राप्त ऋण एवं लंबित बकाया राशि की शीघ्र वसूली के निर्देश दिए, जिससे उर्वरक कंपनियों को भुगतान में कोई बाधा नहीं आए। उन्होंने कहा कि संस्था की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाना प्राथमिकता है।

दादी जानकी जी के छठवीं पुण्य स्मृति दिवस की पूर्व संध्या पर राजयोग भवन में मनाया गया 'वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस'

भोपाल। 104 वर्ष की आयु तक 140 देशों में यात्रा कर लाखों लोगों के जीवन में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलाने वाली संसार की सबसे स्थितप्रज्ञ महिला, राजयोगिनी दादी जानकी जी की छठवीं पुण्यतिथि राजयोग भवन में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोगी भ्राता सुधीर जी ने कहा कि दादी जानकी जी एक महान आध्यात्मिक लीडर के रूप में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग को विश्व के अनेक देशों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनीं। उन्होंने फॉलोअर्स नहीं, बल्कि लीडर्स तैयार किए। यही कारण है कि उनकी पुण्यतिथि (27 मार्च) को पूरे विश्व में 'वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। वे 104 वर्ष की आयु तक लंदन में रहकर विदेश सेवा में निरंतर समर्पित रहीं।उन्होंने बताया कि दादी जानकी को परमात्मा शिव द्वारा ईश्वरीय ज्ञान में आते ही 'जनक' का टाइटल प्रदान किया गया। जिस प्रकार राजा जनक राजमहल में रहते हुए भी विदेही रहते थे, उसी प्रकार दादी जानकी ने भी संसार में रहते हुए पूर्ण वैराग्य और आत्मस्थिति का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका जीवन तीन मुख्य बिंदुओं पर आधारित था- मैं कौन, मेरा कौन और मुझे क्या करना है।

राजस्थान, मप्र में अगले 4 दिन बारिश का अलर्ट

- पंजाब-हरियाणा में भी बारिश की चेतावनी, हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर/ शिमला (एजेंसी)। राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। एमपी में मार्च महीने में तीसरी बार तेज गर्मी की बजाय बारिश होगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर में ज्यादा असर रहेगा। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से मौसम में बदलाव हुआ। बीकानेर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए। चार जिलों में बारिश की चेतावनी है।

उधर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी अगले दो दिन तेज बारिश की संभावना है। वहीं, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में

ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड: उत्तरकाशी, चमोली समेत 5 जिलों में बारिश-बर्फबारी के आसार- उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। विभाग के मुताबिक, 3300 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है।

पुलिस 1अप्रैल से आप्रेशन मुस्कान चलाएंगी,इस अभियान में पूर्व गुमशुदा बच्चों की करेंगी तलाश

सोहागपुर। महिलाओं बालक बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सोहागपुर पुलिस ने हाल ही नगर से एक बालिका के अपहरण किया गया था। जिसमें पुलिस की सजगता से करीबन 4 घंटे के अंदर दस्तयाब किया गया था।इस मामले में पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा ने दस हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। सोहागपुर पुलिस नाबालिग बालिका बालिकाएं अपहृत होकर गुमशुदा हो जाते हैं।ऐसे मामलों में गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करती रही है। उनकी दस्तयाबी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन नाबालिक बालक बालिकाओं के गुमशुदा होने में सतर्कता, सजगता के साथ परिजनों की जागरूकता के साथ सामाजिक जागरूकता की भी आवश्यकता है। ऐसा ही एक प्रकरण पिछले दिनों बालिका के अपहरण से संबंधित थाना क्षेत्र में हुआ जिसमें बालिका के परिजनों एवं पुलिस की सजगता से दस्तयाब किया गया था।

बंगाल एसआईआर- पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम कटे

- बसीरहाट उत्तर के एक बूथ पर बीएलओ सहित भी 340 वोटरों के नाम गायब

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में चुनाव आयोग ने बताया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के दौरान जांच के दायरे में आए 32 लाख नामों में से 13 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। आयोग ने सोमवार को इन वोटरों के नाम की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी। ये अंडर एडजुडिकेशन थे यानी आयोग इनके दस्तावेजों की जांच कर रहा था। आयोग के मुताबिक, 60 लाख से ज्यादा नाम अंडर एडजुडिकेशन रखे गए थे। इनमें अभी 32 लाख मामलों का निपटारा हुआ है, जबकि करीब 28 लाख मामले अभी भी लंबित हैं जिनकी जांच जारी है।

लारेंस विश्नोई गैंग के शूटर को इंदौर लाए

इंदौर। बिल्डर्स से 15 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के आरोप में लारेंस विश्नोई गैंग के शूटर को क्राइम ब्रांच की टीम इंदौर लेकर आई है। उसे मंगलवार को अशोक नगर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था। इंदौर लाने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से शूटर मनीष जांगिड़ निवासी जयपुर को गुरुवार तक एक दिन के रिमांड पर सौंप दिया है। क्राइम ब्रांच के एडिशनल पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि तुकोगंज थाने में बिल्डर्स संजय जैन ने फिरौती मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की जांच के बाद आरोपी को पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ में मनीष ने बताया कि उसके दो साथी दीपक सुतार और पवन शर्मा ने अशोक नगर में फिरौती ली थी। फिरौती का पैसा गैंग के हैरी बाक्सर को भी दिया था। अशोक नगर में वारदात करने के बाद वे इंदौर आना चाहते थे, लेकिन पुलिस के हाथ लग गए। मामले में पुलिस अब पवन, दीपक और हैरी की तलाश में जुट गई है। तीनों के पकड़ाने के बाद नए खुलासे होने की संभावना है।

चाइनीज मांझे पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया

इंदौर। चाइनीज मांझे के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर रोक को लेकर सख्ती बढ़ने वाली है। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही स्वतः संज्ञान याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर जल्द ही ठोस नीति बनाई जाएगी। मुख्य सचिव स्तर पर अधिकारियों की बैठक बुलाकर व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है। मामले में अगली सुनवाई 31 मार्च को निर्धारित की गई है। हाई कोर्ट ने मकर संक्रांति के दौरान चाइनीज मांझे से हुए हादसों पर गहरी चिंता जताई। पूर्व में प्रतिबंध के बावजूद कई लोग घायल हुए, जिस पर कोर्ट ने सरकार की धीमी कार्रवाई पर सवाल उठाए और दो माह में नीति न बनने पर नाराजगी व्यक्त की थी। कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायमित्र ने सुझाव दिया है कि चाइनीज मांझे की ऑनलाइन बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और इसके परिवहन में शामिल ट्रांसपोर्टरों के लाइसेंस निरस्त किए जाएं। साथ ही जब्त मांझे को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने और पीड़ितों को क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान भी शामिल किया जाए। नीति में सूचना देने वालों को प्रोत्साहन राशि देने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है, जिससे अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

लापरवाह पुलिस वालों पर सख्ती

इंदौर। पुलिस कमिश्नरेट में लापरवाही और अनुशासनहीनता पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत बाहरी अपराध के साथ-साथ विभाग के भीतर भी अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में एक और पुलिसकर्मी पर सख्त कार्रवाई की गई है। डीआरपी लाइन (तत्कालीन क्राइम ब्रांच) में पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 2801 दीपक थापा को कदाचार के आरोपों के चलते दंडित किया गया है। विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद डीसीपी (क्राइम) इंदौर ने उनका कार्यवाहक प्रधान आरक्षक का प्रभार वापस लेते हुए उन्हें मूल पद आरक्षक पर पदावनत कर दिया। पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग के भीतर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

धार्मिक आयोजनों में पुलिस पूरे बल सहित सुरक्षा में तैनात होगी

आयोजकों को अपने वॉलंटियर्स रखने के निर्देश भी दिए

इंदौर। शहर में आने वाले प्रमुख त्योहारों रामनवमी, महावीर जयंती और हनुमान जन्मोत्सव को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सभी संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए, फिक्स पिकेट्स लगाए जाएं और लगातार पेट्रोलिंग की जाए। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और आयोजनों की पूरी जानकारी पहले से जुटाई जाए। बिना अनुमति के कोई भी जुलूस या शोभायात्रा न निकले, इसकी सख्ती से जांच की जाए। आयोजकों को अपने वॉलंटियर्स रखने के निर्देश भी दिए। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखने, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखने तथा विवादों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों पर भी सख्त नजर रखने को कहा गया।

बेरीकेडिंग की जाए- यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने ट्रैफिक प्लान लागू करने, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग करने और एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी विभागों के समन्वय से त्योहारों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

बेटे-बहू ने बुजुर्ग माता-पिता को खाने के लिए तरसाया, केस दर्ज

मां कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार, ऑक्सीजन सपोर्ट पर

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर में रहने वाले बुजुर्ग माता-पिता को बेटे-बहू ने प्रताड़ित किया। बेटे-बहू उन्हें खाना नहीं देते हैं। मामले में पीड़ित बुजुर्ग हीरालाल कश्यप की शिकायत पर उनके बेटे आशीष और बहू ममता के खिलाफ पर केस दर्ज किया गया। फरियादी ने बताया कि वे अपनी पत्नी धनराज देवी के साथ तीन मंजिला मकान के भूतल पर रहते हैं। उनकी पत्नी कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार होकर ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। आरोप है कि पहली मंजिल पर रहने वाले उनके छोटे बेटे और बहू उन्हें न तो समय पर भोजन देते हैं और न ही उनकी देखभाल करते हैं।

नाती के साथ की मारपीट- घटनाक्रम के अनुसार, 5 मार्च को जब बुजुर्गों की बेटियां अर्चना और राखी उनकी देखभाल और भोजन बनाने के लिए घर आईं तो आरोपियों ने विवाद शुरू कर दिया। बहू ने गाली-गलौज कर हथौड़े से कमरे का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया और फिर अर्चना के साथ झाड़ू-थप्पड़ों से मारपीट की। वहीं, आरोपी ने अपने ही भानजे दिव्यांश को भी पीटा। बेटियों और दामाद को जान से मारने की धमकी देते हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

महिला कर्मचारी से छेड़छाड़, केस दर्ज

इंदौर। विजयनगर इलाके में निजी कंपनी में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने अपने मैनेजर पर छेड़छाड़ और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया। पीड़िता, स्कीम नंबर-74 में रहती है, ने बताया कि 28 जनवरी की रात करीब 8.30 बजे उसका मैनेजर बिना बताए उसके घर पहुंच गया। शुरूआत में उसने सामान्य बातचीत की, लेकिन कुछ देर बाद उसने गलत नीयत से महिला को छूने की कोशिश की। महिला के विरोध करने और शोर मचाने पर वह उसे धक्का देकर किसी तरह बची, इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया।

मकान में कार चार्जिंग से आग लगी दूसरे भाई ने बयान में मंजूर किया

इंदौर। ब्रजेश्वरी एनेक्स में 18 मार्च को उद्योगपति मनोज पुगलिया के मकान में आग लग गई थी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई थी। बुधवार को तिलक नगर पुलिस ने मृतक मनोज की पत्नी और तीनों बेटों के बयान लिए। बयान में एक भाई ने कार चार्जिंग पर लगी होने की बात कही। हादसे के बाद परिजन आलोक नगर गार्डन के पास किराए से रह रहे हैं। पुलिस को मृतक मनोज के बड़े बेटे सौरभ ने कहा था कि हादसे के दौरान कार चार्ज पर नहीं लगी थी। हादसा बिजली के पोल से शार्टसर्किट से हुआ था। उस समय छोटे बेटे हर्षित ने कार चार्ज पर लगी होना बताया था। दोनों भाइयों के विरोधाभासी बयान से पुलिस की जांच उलझ गई थी। चारों ने यह भी कहा कि आग कैसे लगी, उन्हें कोई जानकारी नहीं। क्योंकि, घर में भी शॉर्ट सर्किट हुआ था। बिजली पोल के तार जलने से वहां भी शॉर्ट सर्किट हुआ था। चार्जर पाइंट भी जल गया था। चारों ने कहा कि आग लगने के कारण धुआं भरा गया था। जैसे-तैसे एक-एक करके वे पिछले सीढ़ियों से होकर छत पर गए थे और वहां से दूसरे की छत पर जाकर मनोज और अन्य लोगों को इंतजार किया था। जब वे नहीं आए तो जलने का अंदेशा हो गया था।

तनय का नहीं था हिस्सा – सौरभ से जब पूछा गया कि नीचे के घर में तनय के शरीर का मांस का टुकड़ा मिलने की जानकारी है। इस पर उसने जानकारी होने से इनकार किया। उसका यह भी कहा था कि हादसे को सात दिन हो गए हैं। इतने दिन बाद बदबू कैसे आ सकती है, जबकि कई बार शव की बदबू दो से तीन दिन में आ जाती है। तिलक नगर के टीआई मनीष लोधा ने कहा कि मृतक मनोज के सभी परिजनों के बयान हो गए हैं। किसी ने भी आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं किया है। कार चार्जिंग पर लगी होने की बात जरूर स्वीकार की है।

घटना के बाद पुलिस ने परिवार के सभी सदस्यों के बयान लिए

किसने क्या कहा....

- मनोज की पत्नी सुनीता ने कहा कि वह रात 12 बजे तक भाई विजय सेठिया और उसके परिजनों से बात कर रही थी। इसके बाद सो गई थी। लोगों के शोर सुनकर नींद खुली तो आग लगने की जानकारी मिली।
- बड़े बेटे सौरभ ने बयान में बताया कि मैं और मामा का परिवार पहली मंजिल पर सोए थे। अचानक नींद खुली तो घर में आग लगी हुई थी। अपने स्तर पर बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाया।
- छोटे बेटे हर्षित के अनुसार, सौरभ भैया ने कार को चार्ज पर नहीं लगाया था। मैं गर्मी लगने के कारण रात को उठकर बाहर आया था। यहां देखा कि कार का चार्जर प्लग से अलग है। इसके बाद मैंने कार का चार्जर लगा दिया। चार्जर लगे होने की जानकारी सौरभ को नहीं थी।
- मझले बेटे सौमिल ने बताया कि मम्मी-पापा नीचे सोए हुए थे। बाकी लोग प्रथम मंजिल पर थे। माता-पिता को शोर सुनकर मामा का नाती तनय (6) नीचे आया था, जो टंकी के ब्लास्ट होने से मर गया।

इंदौर-दाहोद रेल लाइन पर इंजन ट्रायल, धार तक का रेलवे ट्रैक पूरा

टावर वैगन ने 38.26 किलोमीटर की दूरी 54 मिनट में तय की

इंदौर। पश्चिम रेलवे के इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के निर्माण कार्य में प्रगति हुई है। परियोजना के तहत पीथमपुर से धार के बीच 38.26 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रैक बिछाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इससे पहले इंजन और ट्रैक की पूजा-अर्चना की गई। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) विनीत गुप्ता के मार्गदर्शन में 25 मार्च 2024 को पीथमपुर से धार के बीच इंजन (टावर वैगन) ट्रायल किया गया। इस ट्रायल के दौरान टावर वैगन ने 38.26 किलोमीटर की दूरी 54 मिनट में तय की। इस दौरान टावर वैगन की अधिकतम गति लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इस रेलखंड पर विद्युतीकरण और सिगनलिंग का कार्य भी तेजी से जारी है। पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार स्टेशनों पर स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और कवर शेड सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कार्य भी शीघ्रता से किया जा रहा है।

दो दिन परीक्षण किए - परियोजना के तहत टीही के पास स्थित टनल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और वहां ट्रैक डालने का काम प्रगति पर है। ट्रैक बिछाने और ट्रैक मशीन द्वारा पैकिंग कार्य पूरा होने के बाद 23 और 24 मार्च को प्रारंभिक परीक्षण किए गए थे। इस अवसर पर मुख्य इंजीनियर (निर्माण), चर्चगेट धीरज कुमार, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), इंदौर अंकुर सिंह और दिनेश कुमार मीणा सहित निर्माण विभाग के अन्य अधिकारी और पर्यवेक्षक उपस्थित थे। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना पूरी होने पर क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा। इससे औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

ईडी इंदौर ने लंदन की 7 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्ति अटैच की

बैंक धोखाधड़ी के दो मामलों में ईडी ने विदेश में कार्रवाई की

इंदौर। ईडी ने बैंक धोखाधड़ी को लेकर इंदौर बड़ी कार्रवाई की। लंदन में 7 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्ति को अटैच किया। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत की गई। जांच में डमी फर्मों के जरिए कमाई को निवेश के नाम विदेश में भेजने की बात सामने आई थी। पाली लॉजिक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक उत्कर्ष त्रिवेदी और अन्य ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ 57.47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी। एक अन्य मामले में न्यू कॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार त्रिवेदी और अन्य ने एसबीआई बैंक के 249.97 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी। दोनों ही मामलों में बैंक के साथ करीब 307.44 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला है। बैंक धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई में दर्ज दो केस के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कंपनियों के एक पूरे नेटवर्क का इस्तेमाल किया, जिसमें कई डमी यानी फर्जी कंपनियां शामिल थीं। यह कंपनियां कर्मचारियों और करीबी लोगों के नाम पर बनाई गई थीं। इनके जरिए पैसे को इधर-उधर घुमाया गया, लेयरिंग की गई और असली सोर्स को छुपाने की कोशिश की गई। इस पूरे खेल का मकसद था अवैध कमाई को वैध दिखाना और बैंक से निकाले गए पैसों को गायब करना।

ऐसे किया बड़ा घोटाला- जांच में यह भी सामने आया कि इस घोटाले की रकम को विदेशों में निवेश के नाम पर भेजा गया। यानी भारत से पैसा निकालकर विदेशी ठिकानों पर लगाया गया ताकि जांच एजेंसियों से बचा जा सके। इसी कड़ी में लंदन की यह प्रॉपर्टी भी सामने आई, जिसे अब ईडी ने जब्त कर लिया है। इससे पहले, 26 फरवरी 2026 को यदि ने आरोपियों के घरों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई अहम डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज बरामद किए गए थे, जिनसे इस पूरे फर्जीवाड़े की परतें खुलती जा रही हैं। फिलहाल ईडी इस मामले में आगे की जांच कर रही है और संभावना है कि आने वाले समय में और भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

5वीं और 8वीं रिजल्ट घोषित, 5वीं में 96% और 8वीं में 97% बच्चे उत्तीर्ण

बोर्ड पैटर्न पर हुई थी परीक्षा, अच्छे अंक मिले तो परिजन खुश

इंदौर। 5वीं क्लास का रिजल्ट 96त्न रहा है। 49724 बच्चे एग्जाम में पास हुए है। 51815 इस एग्जाम में शामिल हुए थे। वहीं 8वीं क्लास में 97% रहा है। 47339 में से 46138 बच्चे पास हुए है। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने बुधवार को कक्षा 5वीं और 8वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। रिजल्ट घोषित होते ही लोगों ने ऑनलाइन ही बच्चों के रिजल्ट देखे। बच्चों के पास होने और अच्छे प्रतिशत बनने पर लोगों में खुशी का माहौल रहा। जिला परियोजना समन्वयक संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि 5वीं का रिजल्ट 96त्न रहा है। वहीं 8वीं क्लास का 97त्न रहा है। 5वीं कक्षा में 49724 बच्चे पास हुए है, जबकि 8वीं में 46138 बच्चे पास हुए। उन्होंने बताया कि 5वीं क्लास में 49724 इसमें ए और ए+ ग्रेड में 17 हजार 343 बच्चे आए है। वहीं 8वीं में 46138 बच्चों में से ए और ए+ ग्रेड में 22 हजार 92 बच्चे रहे। कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं 20 से 28 फरवरी के बीच बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की गई थीं। 25 मार्च को रिजल्ट जारी किया गया।

8वीं क्लास में जिन्हें मिले अच्छे अंक और प्रतिशत- चिराग सिंह चौहान, मां कमला विद्या विहार स्कूल, 8वीं में 88%, वर्दम त्रिपाठी, कर्नाटक हायर सेकेंडरी स्कूल, कनाडिया रोड, 8वीं क्लास, 91%, काव्या जायसवाल, बेटमा पब्लिक स्कूल, 8वीं क्लास, 86.5%, वंशिका चौहान, पीएम श्री गवर्नमेंट स्कूल, 8वीं क्लास, 84.9%, स्वालेहा नुजहत, सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल, 8वीं क्लास, 83%, कृष्णा अजय कुमावत,श्री हरि पब्लिक स्कूल,8वीं क्लास, 74.5%, त्रिवेणी घुले, ग्लोबस एकेडमी स्कूल, 8वीं क्लास, 66.30%, माहिन अंसारी, बेगम खान बहादुर पब्लिक स्कूल, 8वीं क्लास, 64%।

5वीं क्लास में जिन्हें मिले अच्छे अंक और प्रतिशत- कनिष्क कश्यप, प्रगति स्कूल, 5वीं क्लास,87.5%, भूवि सोनी, सनराइज इंटर गार्डन स्कूल, 5वीं क्लास, 85.75%, सिदरा फातिमा, प्रोटोन फाउंडेशन स्कूल, 5वीं क्लास, 85%, मोहम्मद अरहान खान, प्रोटोन फाउंडेशन स्कूल, 5वीं क्लास 83%, मोहम्मद कैफ, एमजीएन पब्लिक स्कूल, 5वीं क्लास, 80%, राघव प्रजापत, शासकीय प्राथमिक विद्यालय सनावदिया, 5वीं क्लास, 79%, प्रिया सोलंकी,शासकीय प्राथमिक विद्यालय सनावदिया, 5वीं क्लास, 79%, हर्षित ठाकुर, एशियन वर्ल्ड स्कूल, 5वीं क्लास, 78.5%।

लाजिस्टिक कंपनी को 90 लाख की चपत, कर्मचारी की साजिश

कंपनी के कर्मचारी ने साथियों के साथ धोखाधड़ी की

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां लॉजिस्टिक कंपनी के ही कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कंपनी को 90 लाख रुपए का चूना लगा दिया। फरियादी कंपनी के डायरेक्टर राजीव आर्य की शिकायत पर पुलिस ने कंपनी का इंदौर शाखा प्रमुख कुलदीप सिंह और उसके साथी विनय, काशीनाथ चौहान, सचिन सोनी, रेनू कुमारी और अमित शर्मा पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में पता चला कि कुलदीप सिंह ने अपने पद का गलत फायदा उठाते हुए फर्जी बिल तैयार किए। इन बिलों के जरिए उसने अलग-अलग कंपनियों के नाम पर भुगतान दिखाया, लेकिन असल में पैसा अपने परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर दिया।

कंपनियों के नाम का इस्तेमाल

जिन कंपनियों के नाम का इस्तेमाल किया गया, वे भी आरोपियों से ही जुड़ी बताई जा रही हैं। इनमें कृतिका कंटेनर्स, बालाजी रोडवेज और सेफेक्स रिलोकेशन जैसी फर्म शामिल हैं, जिन्हें आरोपी समूह के लोग ही संचालित करते हैं। कंपनी के अनुसार, यह गड़बड़ी साल 2022 से 2025 के बीच की गई। शिकायत के साथ कंपनी ने जरूरी दस्तावेज और बिल भी पुलिस को सौंपे हैं।

'नमस्ते योजना' के तहत सफाई मित्रों का प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ

सुरक्षा और सम्मान पर 5 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण

इंदौर। शहर में 'नमस्ते योजना' के अंतर्गत सीवर और सेप्टिक टैंक से जुड़े सफाई मित्रों के लिए 5 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम और नगरीय आवास एवं विकास विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से नगर निगम इंदौर द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में पंजीकृत सफाई मित्रों को प्रोफाइलिंग के बाद आधुनिक उपकरणों के जरिए सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से सफाई कार्य करने की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त क्षितिज सिंघल ने किया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह,आशीष पाठक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मैनुअल सफाई पर प्रतिबंध, मैकेनाइज्ड क्लीनिंग तकनीक और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE किट) के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी जा रही है, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

तीन दिनी कबड्डी स्पर्धा आज से

इंदौर। संस्था श्री योगेश्वर द्वारा तीन दिनी जिला स्तरीय कबड्डी स्पर्धा का आयोजन आज 27 से 29 मार्च को वल्लभ नगर मैदान में होगा। संस्था संयोजक और पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि यह स्पर्धा मप्र. अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन के नियमों के अनुसार खेली जाएगी। स्पर्धा ओपन जिला स्तर की होगी, जिसमें महिला-पुरुष खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। दर्शकों की सुविधा को देखते हुए महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था रहेगी। पूरे मैदान को केसरिया ध्वज से सजाया जाएगा और स्पर्धा मेट पर होगी। समापन पर विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

60 लाख के 251 गुम हुए मोबाइल लौटाकर चेहरे पर मुस्कान लौटाई

गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ट्रेस कर बरामद किया

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने करीब 60 लाख रुपए कीमत के 251 मोबाइल फोन बरामद कर आवेदकों को सुपुर्द किए। यह कार्रवाई 'सिटीजन कॉप एप्लीकेशन' पर दर्ज शिकायतों के आधार पर की गई। शहर में गुम हुए मोबाइल फोन ढूंढकर इंदौर पुलिस ने सैकड़ों लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। पुलिस ने इन मोबाइलों को मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से ट्रेस कर बरामद किया। बरामद फोन में आईफोन,वन प्लस, सैमसंग,रेडमी, वीवो और ओप्पो जैसी कंपनियों के महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में साइबर सेल ने 2025-26 की शिकायतों का निराकरण करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 'सिटीजन कॉप एप' के जरिए अब लोग घर बैठे ही गुम मोबाइल की शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

मददगार साबित हो रहा ऐप

पुलिस के अनुसार, सिटीजन कॉप एप आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। इस ऐप के जरिए लोग घर बैठे ही गुम या चोरी हुए सामान की ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर आवेदक को तुरंत रसीद और शिकायत नंबर मिल जाता है, जिसका उपयोग सिम ब्लॉक या नई सिम लेने में भी किया जा सकता है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि अगर गुम मोबाइल बंद रहता है या इस्तेमाल नहीं होता तो उसे ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए फोन के सक्रिय रहने पर ही उसे ढूंढ पाना आसान होता है।

होटल में बुकिंग के नाम पर ठगी, इंटरनेट पर सर्च किया था नंबर

चेक-इन करने गए, तब पता चला कि होटल में बुकिंग नहीं

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी लोग ऑनलाइन बुकिंग को लेकर गंभीर नहीं रहे। यही कारण है कि वे कई बार ठगी के शिकार हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला लसूड़िया थाना क्षेत्र में सामने आया। यहां लोहा कारोबारी युवक ने मुंबई की होटल में बुकिंग के लिए इंटरनेट की मदद से नंबर हासिल किया। इसके बाद उक्त नंबर पर कॉल कर जानकारी ली और काल धारक के कहने पर बुकिंग के नाम पर एक लाख 44 हजार रुपए जमा करा दिए। जब युवक मुंबई पहुंचा तो वहां बुकिंग नहीं होना बताया गया। कारोबारी अंकित मूंदड़ा ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ मुंबई घुमने जाने की योजना बना रहे थे। 14 मई 2025 को उन्होंने इंटरनेट पर होटल का नंबर सर्च किया। नंबर को होटल का आधिकारिक संपर्क समझकर कॉल किया।

खुद को बताया कर्मचारी- फोन उठाने वाले व्यक्ति (ठग) ने खुद को होटल का कर्मचारी बताते हुए पांच दिन की बुकिंग का ऑफर दिया। इसके बाद आरोपी ने 7,800 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से कुल 1,44,815 रुपए फरियादी से ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए और बुकिंग कन्फर्म होने का भरोसा भी दिलाया। लेकिन जब अंकित होटल में चेक-इन करने गए, तब उन्हें पता चला कि उनके नाम से कोई बुकिंग दर्ज ही नहीं है। जांच में सामने आया कि जिस नंबर पर उन्होंने संपर्क किया था, वह होटल का असली नंबर नहीं, बल्कि फर्जी नंबर था। ठगी का एहसास होने के बाद पीड़ित ने आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मजबूरी में उन्हें दूसरे होटल में रुकना पड़ा। इंदौर लौटने के बाद अंकित ने शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की अपील- पुलिस ने लोगों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा है कि होटल या किसी भी सेवा की बुकिंग करते समय केवल आधिकारिक वेबसाइट या विश्वसनीय प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करें। गूगल पर मिले नंबरों पर बिना जांच के भरोसा करने से बचें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

संपादकीय

मोदी का जलवा कायम

देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी पार्टियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कितना ही 'काम्प्रोमाइज्ड' क्यों न बताएं, वैश्विक स्तर पर मोदी का जलवा कायम है। यह बात कोई भारतीय संस्था या व्यक्ति नहीं कह रहा है, बल्कि यह अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे का निष्कर्ष है। इसके मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी को 68 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली है, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं में पहले स्थान पर बनाए रखती है। गौरतलब है कि मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 2 से 8 मार्च के बीच किए गए सर्वे में पीएम मोदी अपने वैश्विक समकक्षों से काफी आगे नजर आए। यह रैंकिंग लगातार तीसरी बार सत्ता में रहने के बावजूद उनकी लोकप्रियता और मजबूत नेतृत्व को दर्शाती है। दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची के टॉप-10 में जगह नहीं बना सके और उन्हें केवल 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग रहे, जिन्हें 62-62 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग प्राप्त हुई। इस लिस्ट में वैश्विक लोकप्रियता के मामले में मोदी के बाद स्विट्जरलैंड गाय पार्मेलिन, दक्षिण कोरिया के ली जे म्युंग और चेक गणराज्य के आंद्रेज का नाम है। लेकिन अगर बड़े देशों के नेताओं की बात करें तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर को 24 प्रतिशत और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को मात्र 17 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली, जिससे वे सूची में काफी पीछे रहे। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर कुल 8 हजार 931 दिनों का नेतृत्व पूरा किया है और अब वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन गए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट की यह रेटिंग विभिन्न देशों के वयस्कों की राय पर आधारित सात दिन के मूविंग एवरेज के आधार पर तैयार की जाती है। मोदी की इस बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता की प्रामाणिकता पर विपक्ष सवालिया निशान लगा सकता है। कहा जा सकता है कि यह सर्वे भी प्रायोजित है। मोदी विरोधियों की नजर में जब देश में उनकी लोकप्रियता घटती जा रही है, देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है, हमारी विदेश नीति सवालों के घेरे में है, तब दुनिया भर में उनकी लोकप्रियता बढ़ने की बात आसानी से गले उतर नहीं रही है। लेकिन तस्वीर का यह एक पहलू है। हमारे घरेलू अंतर्विरोध और झगड़े कितने ही क्यों न हो, वैश्विक स्तर पर मोदी ने अलग पहचान बनाई है, इसमें संदेह नहीं होना चाहिए। वैसे भी मॉर्निंग कंसल्ट जैसी एनालिस्ट कंपनी के सामने मोदी को अव्वल दिखाने की क्या मजबूरी है? आलोचक कह सकते हैं कि यह सर्वे भी प्रायोजित है। इसकी संभावना इसलिए नहीं दिखाई देती कि मॉर्निंग कंसल्ट से सर्टिफिकेट पाने की मोदी को क्या आवश्यकता है? और फिर अगर ऐसा ही होता तो वो कंपनी अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दुनिया का अव्वल लोकप्रिय राष्ट्रपति बताने में ऊर्जा ज्यादा खर्च करती। मोदी को नंबर वन बताने से उसे क्या फायदा? यह सही है कि हाल के वर्षों में भारत की विदेश नीति को बूझना मुश्किल होता जा रहा है कि आखिर हम खड़े कहां पर हैं? लेकिन दुनिया में जिस तरह एक के बाद एक नए संकट उभर रहे हैं, उसमें भारत का किसी एक पाले में खड़े न होना ही श्रेयस्कर और लाभदायक है, यह हाल की घटनाओं ने सिद्ध कर दिया है। हम युद्ध की जगह 'बुद्ध' की राह चल रहे हैं और यह ठीक भी है।

उपेक्षा और असंतुलित विकास की अधूरी पृष्ठभूमि

बुंदेलखंड

हेमंत पाल

(सुबह सवेरे के स्थानीय संपादक)

बुंदेलखंड राज्य की मांग भारतीय संघीय ढांचे के भीतर क्षेत्रीय अस्मिता, प्रशासनिक दक्षता और विकास की असमानताओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। यह मांग न तो अचानक उभरी है और न केवल भावनात्मक आग्रह पर आधारित है, बल्कि इसके पीछे एक लंबा ऐतिहासिक अनुभव, उपेक्षा की भावना और विकासात्मक असंतुलन की ठोस पृष्ठभूमि मौजूद है। स्वतंत्रता के बाद से ही समय-समय पर यह मुद्दा उठता रहा है, परंतु इसे कभी भी निर्णायक राजनीतिक प्राथमिकता नहीं मिल सकी।

ऐतिहासिक रूप से बुंदेलखंड एक सांस्कृतिक और भौगोलिक इकाई रहा है, जो कई रियासतों में विभाजित था। इन रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत में तो हो गया, लेकिन एकीकृत बुंदेलखंड की अवधारणा प्रशासनिक रूप नहीं ले सकी। 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के दौरान भाषाई आधार को प्राथमिकता दी गई और बुंदेलखंड को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच विभाजित कर दिया गया। यही विभाजन आगे चलकर इस क्षेत्र की पहचान और विकास के लिए एक जटिल स्थिति पैदा करता है। यह कहना कि उस समय औपचारिक रूप से अलग बुंदेलखंड राज्य का वादा किया गया था, इतिहास में स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं है, लेकिन यह सच है कि क्षेत्रीय एकता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप बुंदेलखंड दोनों राज्यों में एक सीमांत क्षेत्र बनकर रह गया, जहां न तो नीति-निर्माण का केंद्र रहा और न ही संसाधनों का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित हो सका। इस प्रशासनिक बंटवारे ने विकास की गति को प्रभावित किया, क्योंकि दोनों राज्यों की प्राथमिकताएं अलग-अलग रहीं और बुंदेलखंड अक्सर उनके एजेंडे में पीछे छूटता गया।

बुंदेलखंड राज्य की मांग नई नहीं है। स्वतंत्रता के बाद राज्यों के पुनर्गठन के समय भी क्षेत्रीय पहचान के आधार पर चर्चा हुई थी, लेकिन बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा नहीं मिला। 1950 और 60 के दशक में कुछ स्थानीय संगठनों ने आवाज उठाई, पर वह व्यापक जन आंदोलन का रूप नहीं ले सकी। 1990 के दशक में जब उत्तराखंड (तब उत्तरांचल) के आंदोलन ने जोर पकड़ा, उसी समय बुंदेलखंड में भी अलग राज्य की मांग ने फिर सिर उठाया। 2000 में जब तीन नए राज्य बने, तब भी बुंदेलखंड समर्थकों ने उम्मीद जताई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस दिशा में कदम नहीं बढ़ाया। जब तक बुंदेलखंड पूर्ण राज्य नहीं बन जाता, इसका विकास संभव नहीं है। फिल्म अभिनेता से सामाजिक कार्यकर्ता बने राजा बुंदेला इस मांग को मुखर रूप से उठा रहे हैं। उनका तर्क है कि जब तक बुंदेलखंड को प्रशासनिक रूप से अलग राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक इस क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है। 1990 के दशक में जब अलग राज्यों की मांग देशभर में जोर पकड़ रही थी, विशेषकर उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तरांचल) के आंदोलन के दौरान, तब बुंदेलखंड में भी यह मांग फिर से उभरकर सामने आई। 2000 में जब छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड जैसे नए राज्यों का गठन हुआ, तब बुंदेलखंड के लोगों को भी उम्मीद जगी कि उनकी मांग पर विचार किया जाएगा।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे क्षेत्रीय असंतोष और गहरा हो गया। विकास के दृष्टिकोण से बुंदेलखंड आज भी देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां बार-बार पड़ने वाले सूखे, जल संकट, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, और औद्योगिक विकास की कमी जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। जल प्रबंधन की विफलता ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना जैसी योजनाएं चर्चा में तो रही हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन अपेक्षित गति से नहीं हो सका। परिणामस्वरूप किसानों की आय अस्थिर बनी रहती है और बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर होते हैं।

प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो बुंदेलखंड का विभाजन इसकी सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। दो अलग-अलग राज्यों में बंटे होने के कारण नीतियों में समन्वय की कमी रहती है। एक राज्य में बनाई गई योजना दूसरे हिस्से में लागू नहीं होती, जिससे समग्र क्षेत्रीय विकास बाधित होता है। यदि यह क्षेत्र एक राज्य के रूप में संगठित होता, तो जल, कृषि, उद्योग और बुनियादी ढांचे से जुड़ी नीतियों को एकीकृत तरीके से लागू किया जा सकता था। इसी पृष्ठभूमि में फिल्म अभिनेता से सामाजिक कार्यकर्ता बने राजा बुंदेला ने इस मुद्दे को मुखर रूप से उठाया है। उनका तर्क है कि जब तक बुंदेलखंड को प्रशासनिक रूप से अलग राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक इसकी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उनका यह भी मानना है कि स्थानीय नेतृत्व और स्थानीय प्राथमिकताओं के आधार पर ही इस क्षेत्र का समुचित विकास हो सकता है। उनका आंदोलन इस बात को रेखांकित करता है कि यह मांग केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय से जुड़ी हुई है।

हालांकि, अलग राज्य बनने से विकास अपने आप सुनिश्चित हो जाएगा, यह मान लेना भी पूरी तरह उचित नहीं है। छोटे राज्यों के अनुभव मिश्रित रहे हैं। जहां छत्तीसगढ़ ने खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के जरिए आर्थिक प्रगति की, वहीं कुछ अन्य राज्यों को अभी भी प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विकास केवल राज्य के आकार या उसकी प्रशासनिक स्थिति पर निर्भर नहीं करता, बल्कि यह सुशासन, पारदर्शिता, निवेश और प्रभावी नीति-क्रियान्वयन पर भी आधारित होता है। इसके अतिरिक्त, नया राज्य बनाने की प्रक्रिया भी सरल नहीं है। इसके लिए संसद में विधेयक पारित करना, संबंधित राज्यों की सहमति, और व्यापक राजनीतिक समर्थन आवश्यक होता है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में यह एक जटिल और लंबी प्रक्रिया हो सकती है। साथ ही, नए राज्य के गठन के साथ प्रशासनिक ढांचे का निर्माण, राजधानी का चयन, संसाधनों का बंटवारा और वित्तीय प्रबंधन जैसी कई चुनौतियां भी सामने आती हैं।

फिर भी, यह तर्क अनदेखा नहीं किया जा सकता कि बुंदेलखंड की विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए विशेष ध्यान और समर्पित नीति की आवश्यकता है। चाहे वह अलग राज्य के रूप में हो या विशेष क्षेत्रीय पैकेज के माध्यम से, इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यदि वर्तमान ढांचे में रहते हुए भी प्रभावी और समन्वित प्रयास किए जाएं, तो भी स्थिति में सुधार संभव है, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता अनिवार्य है। बुंदेलखंड राज्य की मांग केवल एक प्रशासनिक पुनर्गठन का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय न्याय, विकास की समानता और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसे केवल भावनात्मक मुद्दा मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। आवश्यक है कि इस पर गंभीर, तथ्यात्मक और संतुलित दृष्टिकोण से विचार किया जाए, ताकि बुंदेलखंड के लोगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजा जा सके, चाहे वह अलग राज्य के रूप में हो या मौजूदा ढांचे में व्यापक सुधार के जरिए।

(समाप्त)

सारा संसार रंगमंच है और हम सब कलाकार

विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने-सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान (आईटीआई) द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में 'थिएटर ऑफ नेशंस' सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों, वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक-अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखक, नाटककार और निर्देशक थे, उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्ष, थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता है, जो 'रंगमंच और शांति की संस्कृति' यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण कर, चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करना, इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिद्ध करता है। कार्यशालाओं, प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिन, भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता है, बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, रंगमंच रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकर, रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता है, जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमें, हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियां, संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी हो, कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करें, कैसे नई दिशा और दृष्टि देकर, सुधार ला सकें। भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के 'नाट्य शास्त्र' द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठ, गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटक, पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनय, निर्देशन, परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफर, आर्ट डायरेक्टर, स्क्रिप्ट लेखक, सेट डिजाइनर, लाइट, साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककार, कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैं, जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564-1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने-माने, प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द 'सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष-महिलाएं महज कलाकार हैं।' शेक्सपियर ने हैमलेट, रोमियो-जूलियट, मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्य, तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायक, कोई खलनायक, कोई विदूषक, तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग-अलग चरणों में भिन्न-भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25-27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय 'रंगमंच और शांति की संस्कृति' है, जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने-माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा है, जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभव, चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीख, समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिए, लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्म, धर्म और सत्य को समझना-स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

जमूरा अब लोगों से नहीं बतियाता

विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

प्रो. मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रतिरोध का स्वर नुक्कड़ नाटक का मूल स्वभाव है। नुक्कड़ नाटक समाज को जागृत करने की जवाबदारी स्वाधीनता के बाद से ही शुरू हो गया था। सफदर हाशमी और नुक्कड़ नाटक पर्याय माने जाते हैं। नुक्कड़ नाटक मतलब वह आवाज जो आम आदमी का होता है। हर किस्म की तकलीफ और बैचेनी को वह भीतर ही भीतर झेलता रहता है लेकिन व्यक्त करने का कोई मंच नहीं होता है और इसी बैचेनी को आवाज देने का काम नुक्कड़ नाटक करता रहा है। मौसम कैसा भी हो, जगह कोई भी हो लेकिन नुक्कड़ नाटक देखने के लिए हुजूम जुट जाता है। बोल जमूरे के साथ जब आवाज गूँजती है तो वह लोगों के दिलो-दिमाग में बैठ जाती है। कोई 15-20 मिनट का यह नुक्कड़ नाटक लोगों के मन को सालों-साल तक उद्वेलित करता है। नुक्कड़ नाटक का मकसद भी कुछ ऐसा ही है। नुक्कड़ नाटक समाज की अपरिहार्य आवाज है और इस बारे में चिंता करना जरूरी है। यह वैचारिक आंदोलन है और इसके साथ ही शिक्षित और अशिक्षित दोनों समाज को नुक्कड़ नाटक जीवित रखता है। विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक के अतीत और भविष्य पर चर्चा करना जरूरी हो जाता है।

समाज में जो कुछ घट रहा है, उसे दिखाने और बताने की जवाबदारी रंगमंच और सिनेमा की है। समाज के भीतर होने वाली नकरात्मक घटनाओं और उससे पडऩे वाले परिणामों के बारे में हमें सचेत होने की जरूरत है। आम आदमी पहले भी और अब भी आम ही बना रहता है। लगभग गूँगा और डरा हुआ। फिर उसके साथ समाज, शासन, सरकार कितने भी जुल्म-ज्यादती करे, वह डरा सहमा हर आदेश को मानने के लिए मजबूर होता है। ऐसे में नुक्कड़ नाटक हमसे सीधा संवाद करता दिखता था। समाज से सीधे संवाद का यह प्रभावी माध्यम है और हमने लगभग नुक्कड़ नाटक को भुला दिया है, वैसे ही जैसे अब श्रमिक आंदोलन की गूँज हमें सुनाई नहीं देता है। गुम होती या अपनी उपस्थिति दर्ज ना कराती ऐसी बहुत सी आवाज गुम हो रही हैं या खामोश बैठी हैं।

प्रतिरोध का स्वर नुक्कड़ नाटक का मूल स्वभाव है। सरकारों के खिलाफ आम आदमी को जागृत करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन सार्वजनिक स्थलों पर किया जाता था। रंगमंच और सिनेमा के लिए भारी-भरकम लागत की जरूरत होती थी और वहीं लगभग शून्य लागत में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन संभव होता था। प्रदर्शन में कलाकार का अभिनय प्रभावी किंतु सबकुछ सांकेतिक। बहुतेरे लोगों की नजर में यह प्रतिगामी आवाज थी। शोषण, बेरोजगारी, महंगाई, रूढ़िवादी परम्परा के साथ अराजकता के खिलाफ सडक़ों पर युवाओं की टोली आवाज बुलंद करती थी। कोई पाँच-दस युवाओं की टोली, कोई तामझाम नहीं, कोई बड़ी प्रापर्टी नहीं और प्रदर्शन शुरू। बुलंद आवाज के साथ लोगों को झकझोर कर रख देती थी। लोग सोचने को मजबूर होते थे और समाज में जड़ता के खिलाफ मन बनने लगता था। सत्ता और सरकार के लिए नुक्कड़ नाटक हमेशा से परेशानी का सबब रहा है क्योंकि समाज के साथ सीधे संवाद से क्रांति ना सही, बगावत ना सही लेकिन एक राय तो जरूर बनता था। और यही बदलाव सत्ता और सरकार की परेशानी का कारण था। बीते दो-तीन दशकों में नुक्कड़ नाटक हाशिये पर है। जमूरा अब लोगों से नहीं बतियाता है। समाज से सीधे संवाद करते नुक्कड़ नाटक का प्रभाव इतना है कि उससे डरने वाली सत्ता और सरकार ने स्वयं के प्रचार के लिए साधन बना लिया। सरकार की योजनाओं को आम आदमी तक पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रयोग किया जाने लगा। सरकारी प्रचार तंत्र का एक किस्म का भोंपू बना दिया गया नुक्कड़ नाटक। भारी-भरकम बजट के साथ नुक्कड़ नाटकों के प्रदर्शन का सिलसिला आरंभ हो गया। गाँव-कस्बों में सैकड़ों के हिसाब से नुक्कड़ नाटक का ठेका दिया जाने लगा लेकिन इसके प्रभाव के आंकलन का कोई ठोस आधार निर्मित नहीं किया गया। सबसे खास बात यह है कि नुक्कड़ नाटक में वे लोग लगे हुए हैं जिन्हें शायद रंगकर्म का अ,ब,स ना मालूम हो। बदलते समय में नुक्कड़ नाटक ना तो प्रतिरोध का स्वर रहा और ना जागरूकता का संदेश, अपितु यह पूर्ण रूप से रोजगार का माध्यम बन गया। हाँ, धन्यवाद कर सकते हैं देशभर के उन शैक्षिक संस्थानों को जहाँ जन-जागरूकता के लिए आज भी नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। कभी आंशिक प्रतिरोध का स्वर होता है तो सामाजिक कुरीतियों या अक्षर ज्ञान, बीमारियों के खिलाफ जगाने का काम कर रही हैं। इन लोगों ने नुक्कड़ नाटक को जिंदा रखे हुए हैं, यह राहत की बात है।

नुक्कड़ नाटक को सोशल मीडिया ने भी खत्म किया है, यह भी माना जाना चाहिए। तमाम तरह की स्वच्छंदता और अनगढ़ विचारों से लबरेज सोशल मीडिया एकतरफा चला जा रहा है। सोशल मीडिया विचारों का मंच होना चाहिए और नुक्कड़ नाटक का वैकल्पिक मंच बने इस दिशा में भी चिंता करना चाहिए। एक अर्थ में देखें तो सोशल मीडिया भी एक नुक्कड़ है तो यहाँ क्यों नहीं नुक्कड़ नाटक का मंच बनाना चाहिए। छोटे और विचारवान नाटक समाज की आवश्यकता है। इससे इतर नुक्कड़ नाटक के मूल स्वरूप की चिंता करना, चर्चा करना और उसे वापस उसी स्वरूप में लौटाने की जरूरत है। नुक्कड़ नाटक इस बात की भी तस्दीक करता है कि युवा वर्ग बाजार का शिकार नहीं है बल्कि वह अपनी जिम्मेदारी भी समझता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

चुप कबीरा बोल मत !!

व्यंग्य

भूपेन्द्र भारतीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

किचन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक कचकच करती दुनिया में 'चुप कबीरा बोल मत' ही शांति का अंतिम हथियार हो सकता है। लेकिन कबीरा चुप हो जब। यह शांति का हथियार आपको कैसे भी अपनाना होगा। क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर अंधे की औलाद को किसी भी तरह की ठोकर खाने पर अंधा ही कहा जाए। ओर यदि आप ऐसा कहने के आदि हो गए हैं तो फिर किसी भी तरह के महायुद्ध के लिए तैयार रहें। युद्ध में फिर सब कुछ होगा। फिर आपके लिए संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था भी कुछ नहीं कर सकती। ओर वास्तव में उसके बस में कुछ है भी नहीं। कठपुतलियों वाला मंच भर है। क्योंकि हम सब जानते हैं कि 'चार साल से रूस-नॉटो व करीब चार सप्ताह से अमेरिका-ईरान के युद्ध से पर्यावरण कितना अच्छा हो गया है, दुनिया का हवा-पानी स्वच्छता के अपने मानक स्तर पर सबसे ऊपर है, बच्चों-महिलाओं के मानव अधिकार सुरक्षित है और यदि कोई साल में एक बार दिवाली पर आतिशबाजी करके थोड़ा बहुत वायु प्रदूषण करते हो, होली पर थोड़ा बहुत पानी बर्बाद करते हो! तो उन्हें कबीरा के लोग पर्यावरण व जल संरक्षण का लेक्चर फटकारते हैं। वहीं यह भी अद्भुत विडंबना है कि संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में इनसे जुड़े देश कितना अच्छा पर्यावरण संरक्षण करके विकास का मॉडल बाकी दुनिया के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का विश्व शांति का यह मॉडल हमें भी अपने अन्य मित्रों के साथ अपना लेना ही चाहिए! युद्ध में हमें भी कूद ही जाना चाहिए।'

अभी तक कबीरा बाजार में सिर्फ खड़ा था लेकिन अब उसे चुपचाप भी रहना होगा। कबीरा जैसे ही कुछ बोलता है बाजार के भाव बढ़ने-घटने लगते हैं। बाजार युद्ध में भी अपना व्यापार बढ़ा रहा है। कबीरा व्यापार के लिए नये नये तरीकें खोज रहा है। जनता सोशल मीडिया चौराहे पर यह सब देख रही हैं। जनता को कोविड के बाद फिर डर सता रहा है कि लाईन में लगना पड़ेगा। जनता डर में संग्रह करने लगती हैं। कबीरा ने अपनी अद्भुत वाणी के बल यह चमत्कार कर दिया! बाजार की चाल बढ़ा दी। जनता फिर कर्ज लेकर घी पियो वाले मकड़जाल में फंसने के लिए तैयार है।

कबीरा अब जब जब जुबान खोलता है, युद्ध शुरू हो जाता है। 'यह युद्ध पति-पत्नी की जुबानी जंग जैसा ही रहता है। यह जुबानी जंग माता-पिता के बीच चलती हैं और अंतोगत्वा बच्चे कूटे-पीटे जाते हैं। परिवार में शांति स्थापित करने का यह मॉडल कबीरा ही ला सकता है।' इधर जैसे ही कबीरा चुप रहने लगता है तो बाजार को घबराहट होने लगती है। बाजार चाहता है कि कबीरा की वाणी धाराप्रवाह चलती रहे और बाजार गुलजार रहे। बाजार, कबीरा व युद्ध के गठबंधन ने दुनिया को एक ऐसे चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है कि इसमें आम आदमी ना घर का रहा और ना ही घाट का! वह धोबी के कुत्ते से भी दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। उसे बाजार की हर चौखट से लात ही पड़ रही है। इधर जैसे तैसे कबीरा को चुप करवाओ, उसकी चाल टेढ़ी होने लगती है। वह पृथ्वी को तीन पग में पाना चाहता है। कबीरा के लिए पृथ्वी खिलौना हो गई है। वह उसे बाजार की एक वस्तु भर मान बैठा है। जैसे जैसे कबीरा उम्र के एक पड़ाव पर पहुंच रहा है उसकी जबान व जज्बात उसे भटका रहे हैं। लगता है कबीरा को अब बाजार से लंबी यात्रा पर निकल ही जाना चाहिए। या फिर कबीरा को सबसे पहले बार बार यह कहना बंद करना होगा कि 'कबीरा खड़ा बाजार में..!!' बल्कि उसे बाजार में खड़ा रहना नहीं चाहिए। आजकल बाजार एआई के भरोसे अच्छे से चल सकता है। चलाने वाले चला रहे हैं। चलने वाले चल भी रहे हैं और बनने वाले बन भी रहे हैं! कबीरा को बाजार से निकलकर अपने घर की ओर जाना चाहिए। वहां पर उसके लिए शांति है और बाकी दुनिया के लिए भी शांति रहेगी। जिस दिन कबीरा ने 'चुप कबीरा बोल मत' बात को आत्मसात कर लिया, वह दिन उसके लिए अच्छे दिनों की बेला की शुरुआत रहेगी..!!

रामनवमी पर विशेष

गिरीश जोशी
लेखक स्तंभकार हैं।

धर्म के विग्रह स्वरूप हैं श्री राम

वाल्मीकि रामायण का एक श्लोक है - रामो विग्रहवान् धर्मः साधुः सत्य पराक्रमः। राजा सर्वस्य लोकस्य देवानाम् इव वासवः॥' अर्थात् - श्री राम धर्म के विग्रह स्वरूप हैं। वे सच्चे साधू एवं पराक्रमी हैं। जैसे देवगणों के राजा इंद्र हैं। वैसे ही प्रभु श्री राम हम सब के राजाधिराज हैं। श्री राम धर्म का विग्रह है, विग्रह यानी प्रतिमा या मूर्ति। वास्तव में सनातन धर्म या हिंदू धर्म की अनेक परिभाषाएं हजारों वर्ष के कालखंड में अनेक विद्वान ऋषि मुनियों के साथ- साथ आधुनिक चिंतकों एव विचारकों ने भी दी है। इस श्लोक में महर्षी वाल्मिकी भगवान श्री राम को धर्म का साकार स्वरूप बता रहे हैं।

धार्मिक कौन होता है

धर्म के बारे में कहा जाता है कि वो अमूर्त है। शास्त्रों में कहा गया है-' धारयते इति धर्मः' - जो धारण किया जाता है वह धर्म है । हम अपने जीवन में जीवन में वस्त्र को धारण करते हैं, कुछ लक्षणों को धारण करते हैं, आचरण का धारण किया जाता है। जब किसी व्यक्ति के आचरण में, प्रत्येक कृति में, वचन में, लक्ष्य में,संकल्प में, प्रतिज्ञा में केवल और केवल धर्म ही परिलक्षित होता है तब उस व्यक्ति को वास्तविक रूप से धार्मिक कहा जाता है और इसी धार्मिक व्यक्तित्व का आदर्श स्वरूप युगों -युगों में सृष्टि में यदि कोई हुआ तो वह भगवान श्री राम हैं ।

धर्म के लक्षण

धर्म के लक्षणो के बारे में मनुस्मृति में लिखा गया है - 'धृतिःक्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।' अर्थात् धृति (धैर्य), क्षमा (अपना अपकार करने वाले का भी उपकार करना), दम (हमेशा संयम से धर्म में लगे रहना), अस्तेय (चोरी न करना),शौच (भीतर और बाहर की पवित्रता),इन्द्रिय निग्रह (इन्द्रियों को हमेशा धर्माचरण में लगाना),धी (सत्कर्मों से बुद्धि को बढ़ाना),विद्या (यथार्थ ज्ञान लेना), सत्यम (हमेशा सत्य का आचरण करना) और अक्रोध (क्रोध को छोड़कर हमेशा शांत रहना) यह धर्म के दस लक्षण हैं। यानि इन दस लक्षणों से युक्त व्यक्ति वास्तव में धार्मिक होता है ।

भगवान श्री राम का व्यक्तित्व

इस परिभाषा के दृष्टिकोण से भगवान राम के व्यक्तित्व को देखा जाए तो उनके व्यक्तित्व के प्रत्येक आयाम में उक्त दसों लक्षण प्रतिबिंबित होते हुए दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए श्री राम की जब अयोध्या के राजा के रूप में राज्याभिषेक होने वाला था उसके एक दिन पूर्व ही उन्हें 14 वर्षो के वनवास के लिए जाना पड़ा। आज किसी व्यक्ति के लंबे समय पर पद में बने रहने के बाद उसे पद को छोड़ने का मोह बड़ी कठिनाई से छूट पाता है। किसी भी पद को पाने के लिए व्यक्ति किसी भी स्तर तक जाने के लिए आज तैयार दिखता है। लेकिन भगवान राम ने अत्यंत धैर्य से अपने पिता के वचन का पालन किया। 14 वर्षो तक जिस प्रकार के संकटों को उन्होंने सहा वो धैर्य की पराकाष्ठा कहे जा सकते हैं। वनवास के षड्यंत्र को रचने वाली मंथरा के प्रति श्री राम के मन में कभी किसी प्रकार का राग अथवा द्वेष उत्पन्न हुआ हो ऐसा दिखाई नहीं देता। उन्होंने मंथरा को कोई सजा न देने के निर्देश भी वन जाते समय दिए थे। क्षमाशीलता के गुण का ये एक अद्भुत उदाहरण है।

श्री राम का धर्म बोध

वन में निवास करते समय,राम रावण युद्ध के समय मृत्यु शैया पर पड़े रावण से ज्ञान अर्जन के लिए लक्ष्मण को भेजे जाने वाली घटना भी इंद्रिय संयम का अद्भुत उदाहरण है। श्री राम के जीवन में उनके द्वारा किए गए प्रत्येक कर्म सत्कर्म के रूप में ही दिखाई देते हैं। कुछ लोग मानते हैं की श्री राम ने अपने जीवन में कुछ काम ऐसे किए हैं जो धर्म की परिधि में नहीं आते,अपनी बात को सही साबित करने के लिए ये लोग बाली के वध का उदाहरण देते हैं। लेकिन यदि हम देखें कि इस पेचीदा प्रकरण में उन्होंने जो निर्णय लिया था उसके पीछे उनका इरादा अधर्मी- अत्याचारी बाली के वध का था। शास्त्रों मे कहा गया है कि किसी कर्म का फल, कर्ता को उस कर्म के पीछे कि भावना या नियत के आधार पर मिलता है कृति के आधार पर नहीं। जब अधर्म का संहार करना हो तब विवेक का उपयोग करना पड़ता है। अधर्मी का नाश करने के लिए यदि किसी प्रकार के युद्ध नियम की अनदेखी करना पड़े तो करना चाहिए है क्योंकि यहाँ लक्ष्य अधर्म के विनाश का, धर्म की स्थापना का होता है। इसलिए बाली के वध का तरीका धर्म सम्मत ही माना गया है।

धर्म का विवेक

कालांतर में युद्ध करते समय विवेक का उपयोग नहीं करने पर हमारे समाज को अपना धर्म एवं संस्कृति की रक्षा करने के लिए सैकड़ों वर्षो का संघर्ष विदेशी आक्रांताओं से करना पड़ा है। तत्कालीन युद्ध नियमों के आधार पर देखें तो रावण का वध करने के बाद विजेता के रूप में लंका पर विजय पाकर वास्तव में आधिकारिक रूप से श्रीराम स्वयं राजा बन सकते थे किंतु उन्होंने स्वयं राजा बनने के स्थान पर लंका का रा'य विभीषण को सौंपा। अस्तेय का अर्थ ही होता है दूसरे की वस्तु को उस वस्तु के स्वामी की इच्छा के बिना अपने पास नहीं रखना। कुछ इसी तरह का कार्य उन्होंने बाली के वध के बाद सुग्रीव को किष्किंधा का राजा बना कर किया था। अहिल्या को पत्थर की तरह जड़ होने का श्राप मिला था। उस अहिल्या श्रीराम के पावन स्पर्श मात्र से ही जड़ता समाप्त हो गई। ये तभी संभव है जब उस व्यक्ति का रोम-रोम शुद्ध -पवित्र हो, निर्मल हो। विद्या अध्ययन हेतु भी श्री राम हमें हमेशा आगे बढ़कर पहल करते हुए ही दिखाई देते हैं।

धर्म ज्ञान जिज्ञासा

महर्षि वशिष्ठ द्वारा जब उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तब उत्तरों का संकलन करीब बत्तीस हजार श्लोकों में सामने आया जिसे आज हम 'योगवाशिष्ठ' के नाम से जानते हैं। श्रीराम ने युवराज होने के बाद और राजा बनने के बीच की अवधि में ये ज्ञान ग्रहण किया है जिस अवस्था में व्यक्ति ये मान के चलता है कि अब मेरी शिक्षा पूर्ण हो गई है और अब मैं राजा बनाने वाला हूँ या कोई बड़ा पद प्राप्त कर चुका हूँ तो मुझे कुछ नया सीखने की क्या आवश्यकता है। लेकिन श्री राम ने महर्षि वशिष्ठ के चरणों में बैठकर सृष्टि के रहस्य, मानव जीवन का लक्ष्य, ब्रम्हांड का सत्य आदि का संपूर्ण ज्ञान ग्रहण किया जो उनकी अध्ययनशीलता का द्योतक है एवं धर्म के 'धी' लक्षण को इंगित करता है। श्री राम के जीवन में सत्य प्रति क्षण उद्घाटित होता दिखाई देता है उन्होंने कभी किसी भी छोटे से लाभ के लिए भी सत्य से मुंह बड़ा हो ऐसा संपूर्ण जीवन में कहीं दिखाई नहीं देता। अक्रोध का अंतिम धर्म लक्षण तो भगवान श्री राम के जीवन में सदैव दिखाई देता है । जब लंका जाने के लिए अनुविनय करने बाद भी समुद्र तीन दिनों तक मार्ग नहीं देता तब भगवान कहते है - विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति।। इस प्रसंग पर श्रीराम के सागर पर कुपित होने के के बारे में गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है, लेकिन सागर के द्वारा प्रकट होकर सेतु निर्माण का उपाय बताने पर उनके कोप का शमन हो जाता है । श्री राम ने रावण से युद्ध भी प्रतिशोध लेने की नियत से क्रोध के भाव में नहीं किया अपितु दुष्ट के संहार एवं धर्म की स्थापना के भाव से किया था।

धर्म स्थापना

भारत मे धर्माधिष्ठित समाज एवं धर्म पारायण व्यक्ति के निर्माण हेतु हमारे पूर्वजों ने श्री राम को न केवल सोलह संस्कारों की समस्त विधियों में शामिल किया अपितु सुबह की राम-राम से लेकर जीवन के नवरसों की अभिव्यक्ति के साथ जीवन के हर पहलू में और अंतिम क्षण तक धर्म की स्थापना करने के लिए विभिन्न माध्यमों से मानव चेतना की गहराइयों में अनंत काल तक श्री राम को स्थापित किया गया है । इसीलिए श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के लोगो में भी लिखा गया है -

'रामो विग्रहवान् धर्मः'

अयोध्या यात्रा

आरबी त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

बंदऊ अवधपुरी अति पावनि

सात पवित्र पुरियों में प्रमुख प्रभु श्रीराम लला की नगरी अयोध्या देश- विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास, श्रद्धा भक्ति का केन्द्र। आज से नहीं बल्कि युगों-युगों से। जहां युद्ध नहीं वहीं अयोध्या, यह पौराणिक मान्यता है। दूसरी ओर आज का वैश्विक परिदृश्य देखें तो दुनिया के बड़े हिस्से में एक गैर-जरूरी जंग चल रही है जो सम्पूर्ण मानवता के हित में नहीं है। खैर, अयोध्या में बीते कुछ समय में यह बदलाव आया है कि बरसों-बरस टेंट में रहने के बाद प्रभु रामलला अतिभव्य, विशाल, सुंदर मंदिर में विराजमान हैं। मंदिर की भव्यता को और अधिक आकार देने, सजाने- संवारने का काम अभी जारी है। अयोध्या नगरी इन दिनों चकाचौंध से सराबोर नजर आती है और दर्शन के लिये श्रद्धालुओं का सदैव तांता लगा रहता है।

ऐसे वक्त जब सनातन धर्म, हिंदुत्व, कथा भागवत के आयोजन और तीर्थाटन अपने चरम पर है तब हम अयोध्या में रामलला के दर्शन पाने को लाइन में खड़े हुए हैं। आप अपलक, एकटक निहारते रहिये जब तक सुरक्षाकर्मी आपको धकियाकर वहां से हटा ना दें। प्रभु की प्रतिमा, विग्रह की छवि ऐसी अदभुत कि जैसे आपसे कुछ कहना चाहती हो। खास तौर से आँखें और मुख मंडल। इसके लिये शिल्पी मूर्तिकार साधुवाद के पात्र हैं। उत्तर प्रदेश सहित पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, गुजरात, दक्षिण भारत के सुदूरवर्ती इलाकों से आये भक्तजन प्रभु की एक झलक पाने को आतुर नजर आते हैं। चलने- फिरने से मोहताज उम्रदराज बुजुर्ग महिलाएं- पुरुष व्हील चेयर की मदद से दर्शन कर रहे थे। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका श्रद्धाभाव देखते ही बनता था। दर्शनार्थियों में विदेशों से आये श्रद्धालु शामिल थे जो रामनामी फटका (दुपट्टा) और तुलसी या रूद्राक्ष की माला धारण किये हुए थे।

अयोध्या कॉरीडोर में सुरक्षा के चाक-चौबंद प्रबंध हमेशा ही रहते हैं। सशस्त्र पुलिस और कहीं-कहीं सेना या अर्धसैनिक बल के जवान गन के साथ चौकस निगाह रखते हैं। आप ऑनलाइन वीआईपी स्लाट बुक कर दर्शन को जाते हैं तब भी जगह- जगह सख्त चेकिंग, मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ता है। परिसर में ही लॉकर की सुविधा है जहां अपना कीमती सामान मोबाइल, बेल्ट, पर्स आदि जमा कर टोकन दी जाती है। बहुत सारे काउंटर होने के बावजूद भीड़भाड़ देखी जाती है। बारम्बार की चेकिंग से झुंझलाहट सी होती है लेकिन आज देश विदेश में मौजूदा हालात को देखते हुए यह आवश्यक एहतियात लगती है।

हमारे शास्त्रों में अयोध्या को पावन और मोक्षदायिनी कहा गया है- अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवंतिका पुरी (उज्जैन) सप्तैता मोक्षदायिनी। विद्वज्जन प्रायः स्नान के समय इसका उच्चारण करते हैं। हमें कुछ समय पहले चित्रकूट तथा ओरछा में प्रभु के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। सो, चित्रकूट की महिमा न्यारी है जहां भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का सर्वाधिक समय व्यतीत किया था। इधर ओरछा में रामराजा सरकार की छवि निराली है। तुलसीदास जी ने मानस में कहा है- जन्म भूमि मग पुरी सुहावनि उत्तर दिसि बह सरजू पावनि। इसी प्रकार- अवध तहां जहां राम निवासू। मानस के बालकांड में लिखा है- बंदउ अवध पुरी अति पावनि सरजू सरि कलि कलुष नसावनि। अयोध्या की महिमा का वर्णन बखान इस अकिंचन के लिये आसान नहीं है। इसे आप मानस के पठन-पाठन और अयोध्या जाकर ही महसूस कर सकते हैं।

रामलला जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र में प्रवेश करते ही आद्य शंकराचार्य द्वार, रामानुजा चार्य द्वार आते हैं। यहीं एक स्थान पर अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर स्मृति स्वरूप आयोजित समागम के बारे में पढ़कर बहुत अच्छा लगा। हमने उनकी कर्मभूमि महेश्वर पर भी शोधपरक आलेख लिखा था। स्वाभाविक ही इंदौर और महेश्वर से बड़ा जुड़ाव रहा है। किसी समय इंदौर के राजवाड़ा में हमारा दफ्तर हुआ करता था।

जन्म भूमि परिसर में ही सीता रसोई, प्रभु राम दरबार, राज दरबार, बालरूप राम, अवामा राम मंदिर, राम चरित मानस भवन, राम भरत मिलाप, दशरथ जी का राजमहल, कैकई कोप भवन, लवकुश मंदिर सहित अनेक साधु संतों के आश्रम आदि अवस्थित है। कनक भवन और हनुमान गड़ी आदि अन्य महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल हैं। कनक भवन हमारे मध्यप्रदेश के ओरछा स्थित रामराजा सरकार के मंदिर महल सदृश्य दिखाई देता है। अयोध्या में अनेक छोटी बड़ी दुकानें रामलला की फोटो, छोटी प्रतिमाओं, नाना प्रकार की प्रसादी, फूल-मालाओं, तुलसी माला, गीताप्रेस गोरखपुर साहित्य आदि से सजी-धजी रहती है। प्रभु श्रीराम के - रघुनंदन, रघुवीर, राघव, रघुकुल तिलक, रघुकुल भूषण, पतित पावन, कौशलेन्द्र आदि नामों की दुकानें, प्रतिष्ठानों के साथ मुंबई की फेमस उडप्पी, भाजी बड़ा के अतिरिक्त नाम मात्र के शुल्क पर भंडारे चलते रहते हैं। समीप ही के. के. बिड़ला धर्मशाला, आस्था रथ के नाम से बेटरी चलित वाहन, ईरिक्सा आदि की सुविधा है। टेढ़ीबाजार, गुदड़ी बाजार, निषादराज चौराहा मुख्य बाजार हैं।

अयोध्या में पंडित मोहित दास महाराज और इंद्र कुमार पांडे बताते हैं यहां बहुत परिवर्तन आ गया है। पहले सड़कें नहीं थी, धूल उड़ती थी, कुछ भी साधन नहीं थे लेकिन अब रामलला विराजमान की कृपा से तीर्थ यात्रियों की सहूलियत के अनेक विकास कार्य हुए हैं। इसके चलते लाखों लोग अयोध्या दर्शन को आ रहे हैं। भरतराम रेस्टोरेंट के संचालक भरत कहते हैं अब यहां ग्राहकी भी बड़ी है। हां तोड़फोड़ तो हुई है लेकिन हिंदुओं के घर दुकान भी टूटे हैं। सुविधाएं बढ़ाने के लिये यह जरूरी भी था। अब यहां फैजाबाद विलोपित होकर अयोध्या नाम ही रह गया है। अब जात- पांत का कथित भेद-भाव समाप्त करना आवश्यक है' हरि को भजे सो हरि का होय...।

अयोध्या एयरपोर्ट को महल की तरह आकार दिया गया है जो बाहर और अंदर से भी राजमहल सा प्रतीत होता है। भीतर की ऊपरी दीवारों पर राम चरित मानस के विविध प्रसंगों को आकर्षक चित्रकारी के जरिये बोलते हुए प्रदर्शित किया गया है। रेल्वे स्टेशन दो बन गये मगर यात्री सुविधाओं की अभी भी दरकार है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि पवित्र नदियों चाहे गंगा, यमुना हो सरयू या चित्रकूट की मंदाकिनी अनेक जगहों पर स्वच्छ निर्मल जल आसानी से उपलब्ध नहीं होता। हमारे यहां गंगाजली और अब प्लास्टिक बॉटल में गंगाजल भरकर लाने और गंगाजली निकालने की परंपरा है लेकिन प्रयागराज में भी गंगाजल संगम पर बहुत दूर जाने पर ही सुलभ हो सकता है। पवित्र नदियों को सदानीरा हम रहने नहीं दे रहे और कचरा तथा विसर्जन के नाम पर कुछ भी नदियों में प्रवाहित कर कर्तव्य की इतिश्री समझ लेते हैं। नमामि गंगे अभियान का क्या हश्र हुआ पता नहीं। सो, पवित्र नदियों को बचाने हेतु महज सरकारी कोशिशें समुचित नहीं कही जा सकती बल्कि श्रद्धालुजन और आम लोगों, साधु-संतों को आगे आकर पहल करना होगी।

राम नवमी विशेष

डॉ. लोकेन्द्र सिंह
लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

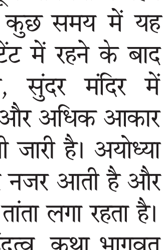

श्रीराम मंदिर: युवाओं की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना का नया सूर्योदय

भारत के युवाओं को लेकर देश में अलग-अलग ढंग से विमर्श चल रहे हैं। कुछ ताकतें चाहती हैं कि भारत का युवा अपनी ही संस्कृति एवं जीवन मूल्यों के विरुद्ध खड़ा हो जाए। धर्म-संस्कृति क्रियाकलापों से युवाओं को दूर करने के लिए यहाँ तक कहा गया कि 'जो लोग मंदिर जाते हैं, वही लोग महिलाओं को छेड़ते हैं '। यह भी कि 'सरस्वती की पूजा करने से कोई आईएएस नहीं बनता'। योलो और वोकिज्म की रंगीन अवधारणाएं भारत की जेन-जी के दिमाग में उतारने के प्रपंच रचे ही जा रहे हैं। परंतु, भारत विरोधी ताकतों को यह स्मरण नहीं रहता कि भारत की संस्कृति के पोषण में वह ताकत है कि उसकी संतति अधिक समय तक उससे दूर नहीं रह सकती। सब प्रकार के प्रपंचों से थक-हारकर, आत्मा के वास्तविक सुख की प्राप्ति के लिए वह अपनी संस्कृति की गोद में ही लौटता है। आज सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठानों में युवाओं की जिस प्रकार की सक्रिय उपस्थिति दिखायी दे रही है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। पिछले कुछ वर्षों में धर्म के प्रति युवाओं में गहरी रुचि पैदा हुई है। उनकी आध्यात्मिक चेतना को मंदिर में उमड़ रही युवाओं की भीड़ में अनुभव किया जा सकता है। ज्ञान की खोज में आश्रमों एवं गुरुकुलों में पहुँच रहे युवाओं के माथे पर उनकी जिज्ञासाओं को पढ़ा जा सकता है। युवाओं में परिवर्तन की इस लहर का प्रमुख केंद्र श्री अयोध्या धाम में, अपने भव्य मंदिर में विराजे रामलला हैं। भारत की सांस्कृतिक राजधानी श्रीअयोध्या में प्रभु श्रीराम के दिव्य मंदिर के निर्माण, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना, ये सब केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, अपितु भारतीय जनमानस की चेतना में युगांतरकारी घटनाएं हैं। कहना होगा कि 22 जनवरी, 2024 के बाद भारत के युवा मन में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह अभूतपूर्व है। यह घटना सदियों के संघर्ष के विराम के साथ-साथ एक नये और आत्मविश्वास से भरे भारत के उदय का प्रतीक बन गई है। आज श्रीराम मंदिर केवल ईंट-पत्थरों से बना देवालय नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का केंद्र बन गया है।

अंग्रेजी नववर्ष मनाने के लिए भी मंदिर पहुँचे युवा : हम समूचे राममंदिर आंदोलन का सिंहावलोकन करते हैं, तब भी हमें ध्यान आता है कि भारत के इस महान आंदोलन को परिणाम तक पहुँचाने में युवा शक्ति का बलिदान लगा है। रामद्रोहियों की बंदूकों के सामने युवा तरुणाई अखंड साहस के साथ खड़ी हो गई। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक रामत्व के जागरण की जिम्मेदारी युवाओं ने ही तो निभाई। इसलिए जब श्रीराम जन्मभूमि पर दिव्य मंदिर ने आकार लिया, तब युवा अपनी आध्यात्मिकता को अभिव्यक्त करने के लिए मुखर हो उठा है। कोई भी प्रसंग हो, साप्ताहिक अवकाश हो, तीज-त्यौहार हो या फिर अन्य परंपरा का कोई प्रसंग, युवा आनंद की अनुभूति के लिए रामलला के परिसर में दिखायी दे रहे हैं। यद्धपि ग्रेगोरियन कैलेंडर के जनवरी माह की पहली दिनांक को भारत का नववर्ष नहीं होता है, लेकिन हम भारतीय तो उत्सवधर्मी हैं, इस नववर्ष का भी हमने भारतीयकरण करने का मानस बना लिया है।

एक समय था जब एक जनवरी का उत्सव रंगीन पार्टियां में उतरता था। लेकिन अब युवाओं का रैला मंदिर पहुँच रहा है। जनवरी, 2026 के पहले दिन श्रीअयोध्या के श्रीराम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ आया था। मीडिया में आए आंकड़े बताते हैं कि एक ही दिन में श्रीराम मंदिर में रिकॉर्ड संख्या (4 लाख से अधिक) में भक्त भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पहुँचे। इस सैलाब में युवावर्ग ही अधिक था। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है। 'नववर्ष' मनाने का यह बदलता चलन बताता है कि श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा ने भारत के भविष्य को अपनी परंपराओं से जोड़कर आगे बढ़ने के लिए निरभ्र आसमान दिया है।

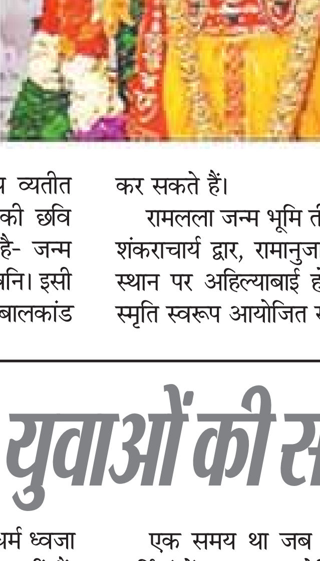

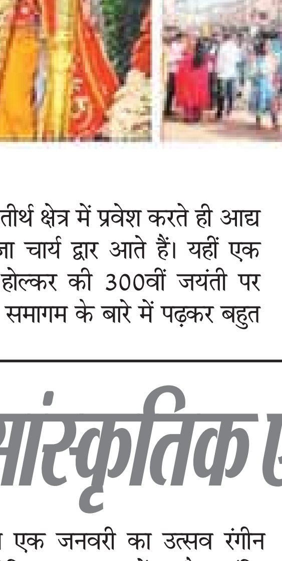

युवाओं के लिए कर्मकांड नहीं, जीवन जीने की कला है धर्म : युवाओं में आध्यात्मिक चेतना और संस्कारों का उदय, इस परिवर्तन का सबसे सुखद पहलू है। एक समय था जब मंदिरों को केवल बुजुर्गों का स्थान माना जाता था, लेकिन श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से युवाओं का एक बड़ा वर्ग अपनी जड़ों की ओर लौटा है। सोशल मीडिया के दौर में आज युवा गर्व से अपनी संस्कृति और धर्म को अपना रहे हैं। वे श्रीराम मंदिर और अन्य तीर्थ स्थलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रभु श्रीराम का जीवन, त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा सीखने का स्रोत है। धर्म उनके लिए केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला बन गया है, जिससे उन्हें अनुशासन और नैतिकता की सीख मिल रही है। जब युवा वर्ग मंदिरों में पहुँचता है, तब वह केवल दर्शन नहीं करता है अपितु वहां की वास्तुकला और इतिहास को समझने का प्रयास भी करता है। वह अपनी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा से जुड़ता है।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बना श्रीराम मंदिर : श्रीराम मंदिर के निर्माण ने देश में 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' का सूत्रपात किया है। इसे केवल हिन्दू मंदिर के रूप में नहीं, बल्कि 'राष्ट्र मंदिर' के रूप में देखा जा रहा है। यह मंदिर भारत के स्वाभिमान और सांस्कृतिक स्वतंत्रता का प्रतीक है। जिस प्रकार सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण ने स्वतंत्र भारत में एक नई ऊर्जा भरी थी, उसी प्रकार श्रीअयोध्या धाम का श्रीराम मंदिर 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूती दे रहा है। देश के कोने-कोने में लोगों के भीतर अपनी सभ्यता के प्रति गौरव का भाव जागा है, जो राष्ट्र निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। श्रीराम मंदिर ने युवाओं के लिए आर्थिक विकास के नए द्वार भी खोले हैं। 'आध्यात्मिक पर्यटन' भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा स्तंभ बनकर उभरा है। अयोध्या में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का आना स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग, परिवहन और हस्तशिल्प के लिए वरदान साबित हो रहा है। इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के रूप में मिल रहा है। श्रीअयोध्या धाम का विकास पूरे क्षेत्र और अंततः राष्ट्र की जीडीपी में सकारात्मक योगदान दे रहा है।

आरएसएस का आग्रह है रामराज्य को साकार करें हम : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव के प्रसंग पर देशभर के लोगों से आग्रह किया था कि वर्षों के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर तो बन रहा है लेकिन रामराज्य को साकार करने के लिए हम सबको अपने मन में रामराज्य लाना होगा। उनके आग्रह को भारत की युवा तरुणाई ने माना है। सरसंघचालक जी के आग्रह और प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से 'राम सबके और सब राम के', इस भाव से सामाजिक समरसता का अनुपम विचार और अधिक प्रखर हुआ है। श्रीराम मंदिर ने सामाजिक समरसता का एक अद्भुत संदेश दिया है। आज न केवल सनातन धर्म के अनुयायी, बल्कि जैन, बौद्ध और सिख समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में अयोध्या पहुँच रहे हैं। यह मंदिर विभिन्न पंथों और संप्रदायों को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रहा है। समाज के हर वर्ग, चाहे वह अनुसूचित जाति से हो या अनुसूचित जनजाति से, सभी ने इस महायज्ञ में अपना योगदान दिया है। भगवान श्रीराम का यह मंदिर जाति-पाति और ऊंच-नीच के भेदों को मिटाकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को चरितार्थ कर रहा है। श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद का परिदृश्य यह स्पष्ट करता है कि भारत अब अपनी पुरानी हीनभावनाओं को त्यागकर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। युवाओं का संस्कारवान होना, समाज का समरस होना और अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ होना, ये सभी भारत के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करते हैं। श्रीराम मंदिर ने भारत को उसकी आत्मा से पुनः मिला दिया है, और यही ऊर्जा भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर करेगी।

अनुष्का शर्मा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित हो कर बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान, मुस्कुराया देश का दिल

शक्ति की आराधना के महापर्व पर ग्वालियर ही नहीं संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गौरव के पल

**'कहिए तो आसमां को ज़मीं पर उतार लाएं
मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए'**

महज 22 बरस की उम्र में अनुष्का शर्मा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित हो कर ग्वालियर ही नहीं वरन् मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। संगीत सम्राट तानसेन की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर की बिटिया अनुष्का शर्मा ने वीमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में गुजरात जायंट्स की टीम से खेलते हुए 30 गेंद में 44 रन बनाकर गुजरात टीम के बड़े स्कोर की नींव रख इतिहास रच डाला था। प्रतिष्ठित चंद्रा नायडू अवार्ड से सम्मानित , बैटर ऑलराउंडर के रूप में मध्यप्रदेश अंडर- 23 गर्ल्स क्रिकेट टीम की उपकप्तान एवं सीनियर टीम में ओपनर बैटर इस नन्ही प्रतिभा ने अपनी प्रतिभा के दर्शन करा दिये थे कि यह संभावनावान क्रिकेटर भारतीय महिला क्रिकेट टीम में दस्तक दे रही है।

नन्ही उम्र से क्रिकेट का सफर, राह में कई चुनौतियां थी पर वह तो बनी थी क्रिकेट और सिर्फ क्रिकेट के लिए... जुनून ऐसा कि चौबीसों घंटे बस क्रिकेट- क्रिकेट और क्रिकेट। आंखों में सपना लिए कि एक दिन इंडिया टीम के लिए खेलना है आखिरकार नन्ही सी उम्र से जो सुनहरा सपना देखा था आज वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित हो कर साकार हो गया।

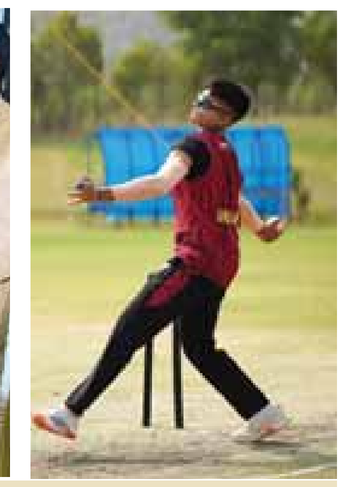

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित अनुष्का का किया सम्मान ...

ग्वालियर की प्रतिभाशाली बेटी और नारी शक्ति की प्रतीक अनुष्का शर्मा के भारतीय महिला टी-20 क्रिकेट टीम में शामिल होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिभाशाली क्रिकेटर अनुष्का का सम्पूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से ग्वालियर विमानतल पर आत्मीय सम्मान किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल होने के लिये अनुष्का एवं उनके पिता बृजमोहन शर्मा को बधाई और शुभकामनायें दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुष्का शर्मा का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने अनुष्का का मुँह मीठा कराया और जनप्रतिनिधियों के साथ खुशियां साझा की।

अथक संघर्ष से सफलता के सफर तक के कदम, उपलब्धियों से भरे ये पल सच में सपने साकार होने के पल है। गौरवशाली और स्वर्णिम इतिहास को समाहित किए ग्वालियर नगरी की बिटिया अनुष्का की इस उपलब्धि से मानों इस ऐतिहासिक नगरी का स्वर्णिम इतिहास फिर से जीवंत होने जा रहा है और इस अध्याय को लिखा है अनुष्का शर्मा ने ।

22 बरस की इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर ने अपनी असाधारण उपलब्धि से देश के दिल मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। जिद- जुनून और जज्बे की कहानी है अनुष्का की। आसमान छूने का हौसला रख आज यह बिटिया हर युवाओं के लिए यूथ आईकन है।

अनुष्का के क्रिकेट करियर पर एक नजर...

- वीमेंस प्रीमियर लीग(WPL) 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में गुजरात जायंट्स की टीम से खेलते हुए ग्वालियर की बेटी अनुष्का शर्मा ने 30 गेंद में 44 रन बनाकर गुजरात टीम के बड़े स्कोर की नींव रखी।
- ऑल इंडिया सीनियर्स टी 20 टूर्नामेंट के दौरान 31 अक्टूबर को सूरत में राष्ट्रीय उपविजेता बनी एमपीसीए की टीम में अविस्मरणीय योगदान दिया।
- मध्यप्रदेश की सीनियर वूमेंस टीम की उपकप्तान के रूप में बेहतर ऑल राउंडर प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल जोन के लिए चयन हुआ, जहां शानदार प्रदर्शन किया।
- पूर्व कप्तानः अंडर- 19 चैलेंजर ट्रॉफी विजेता - 'इंडिया B टीम'
- राष्ट्रीय उपविजेता रही मध्यप्रदेश अंडर- 19 गर्ल्स क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान
- प्रतिष्ठित चंद्रा नायडू अवॉर्ड से सम्मानित
- वर्तमान में (बैटर ऑलराउंडर के रूप में) मध्यप्रदेश अंडर- 23 गर्ल्स क्रिकेट टीम की उपकप्तान एवं सीनियर टीम में ओपनर बैटर।
- बीते दिनों सीनियर्स वनडे ट्रॉफी (2024- 25) में यादगार पारी के बदौलत मध्यप्रदेश को चैंपियन बनाया।
- 2025 में पहले MPL टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' सहित प्लेयर ऑफ द मैच, डॉमिनेटर प्लेयर ऑफ द मैच, सर्वाधिक चौके, बेस्ट फील्डर, क्रिएटिव शॉट आदि सहित अधिकांश (सर्वाधिक) अवॉर्ड हासिल करने वाली खिलाड़ी के रूप में ग्वालियर का परचम फहराया।
- अब तक दो बार सेंट्रल जोन से खेलने सहित आधा दर्जन से अधिक बार चैलेंजर ट्रॉफी में एमपी का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना को मिली ऐतिहासिक गति, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के नेतृत्व में विकास का नया अध्याय

यह ऐतिहासिक पहल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी

धार। लोकसभा क्षेत्र धार की लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में आज उन्होंने इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के अति महत्वपूर्ण खंड पीथमपुर से धार रेलवे स्टेशन तक रेल इंजन (टावर वेगन) में बैठकर यात्रा की, जिसमें अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं रेल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

वर्षों की प्रतीक्षा और सतत प्रयासों के बाद इस परियोजना का कार्य अब लगभग पूर्णता की ओर है, जो क्षेत्र के विकास, कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति को नई गति देगा। यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ता हुआ एक सशक्त संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं आदिवासी अंचलों के

विकास के संकल्प ने इस परियोजना को गति प्रदान की है। यात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं जनसामान्य द्वारा रेल इंजन को रुकवाकर उसमें सवार जनप्रतिनिधियों एवं रेल अधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छों की वर्षा कर लोगों ने अपनी अपार खुशी और उत्साह का परिचय दिया। यह दृश्य इस बात का प्रतीक था कि यह परियोजना क्षेत्रवासियों की भावनाओं से गहराई से जुड़ी हुई है। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का जो संकल्प लिया है, उसे पूर्ण करने के लिए वे निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सहयोग, विश्वास एवं आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में विकास कार्यों को और अधिक गति दी जाएगी।

इस अवसर पर धार विधायक नीना विक्रम वर्मा , पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। यह ऐतिहासिक पहल निश्चित ही क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

शहर में आज निकलेगी भव्य श्री रामनवमी शोभायात्रा

शोभायात्रा में 20 फीट ऊंची भगवान हनुमान जी के कंधों पर विराजित राम जी एवं लक्ष्मण जी की प्रतिमा की भव्य झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

धार। शहर में आज श्री रामनवमी का पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सर्व हिंदू समाज के तत्वाधान में 27 मार्च शुक्रवार को भव्य श्री रामनवमी शोभायात्रा शाम को 6 बजे आनंदेश्वर मंदिर एमजी रोड(राजवाडा) से नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली जावेगी। उक्त शोभायात्रा में 20 फीट ऊंची भगवान हनुमान जी के कंधों पर विराजित राम जी एवं लक्ष्मण जी की प्रतिमा की भव्य झांकी निकाली जाएगी साथ ही भगवान श्री राम जी के राजा राम स्वरुप की मनमोहक झांकी आकर्षण विद्युत साज के साथ रहेगी एवं श्री हरि नाम संकीर्तन रामायण मंडल की

भजन मंडली परंपरा अनुसार अपने भजनों के साथ प्रभु श्री राम जी की तस्वीर के साथ भजन कीर्तन करते हुए नगर में भ्रमण करेंगे ।

यात्रा में इस वर्ष देश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका हेमलता वैष्णव राजस्थान से आकर अपने भजनों की प्रस्तुति देगी एवं मालवा के लोकप्रिय भजन गायक शशांक तिवारी कुंदनपुर उक्त यात्रा में अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस बार यात्रा में धार नगर में पहली बार आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ डिजिटल लाइव साउंड आकर्षण का केंद्र रहेगा। शहर में यात्रा को लेकर भव्य तैयारियां की गई है एवं कई स्थान पर स्वागत मंच भी लगेंगे।

अनर्गल टिप्पणी को लेकर ब्राह्मण समाज ने सौंपा आवेदन

धार कोतवाली टीआई से की ठोस कार्रवाई की मांग

धार। नगर के गोपाल पाल ने ब्राह्मण समाज और देवी-देवताओं पर अनर्गल टिप्पणी की है। इसे लेकर सर्वब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया। समाज बंधुओं का एक प्रतिनिधि मंडल धार कोतवाली पहुंचा और टीआई दीपक चौहान को आवेदन सौंपा। आवेदन में पाल के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में लिखा है कि गोपाल पाल लगातार सोशल मीडिया पर सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी कर रहे है। हम

ब्राह्मण समाज के लोग सभी जातियों का सम्मान करते है। इनके द्वारा ब्राह्मण समाज और धर्म के नाम पर की जा रही टिप्पणी को लेकर समाज आहत है। इस दौरान सर्वब्राह्मण समाज अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी,श्रीकांत द्विवेदी, प्रवीण शर्मा, अमित मंडलोई, चुन्नु वाजपेयी, अविनाश शर्मा, प्रशांत रावल, राजेश शर्मा,चेतन शर्मा,सूर्या दुबे, राजा शर्मा, रूद्र शर्मा, निलेश जोशी, मनीष भार्गव, जितेंद्र पंडया आदि मौजूद थे।

बालाजीपुरम में चमत्कारिक चंडीयज्ञ आज सुबह, रामजन्म दोपहर को, विशाल भंडारा भी

बैतूल। चंडी यज्ञ...एक ऐसा यज्ञ जिससे महाकाली देवी का साक्षात स्वरूप अग्नि कुंड से प्रकट होता नजर आता है। भारत के पांचवेधाम श्री रूकमणि बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में यह चंडी यज्ञ इस बार पूरे पारम्परिक विधि-विधान से होगा। इसके लिए दक्षिण भारत से प्रकाण्ड पंडित बालाजीपुरम पहुंच चुके हैं। इस यज्ञ के लिए पूरे नवरात्र तैयारियों का दौर चलता रहा। बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा बताते हैं कि शुक्रवार को रामनवमी के विशेष मुहूर्त पर यह चंडी यज्ञ बालाजीपुरम के चित्रकूट धाम में वैष्णों मंदिर की यज्ञशाला में सुबह 7 बजे से आरंभ होगा। करीब 5 घंटे चलने वाले यज्ञ में दुर्गा सप्तशती के 13 अध्याय का पाठन आहूतियों के साथ होगा। करीब 7 लीटर घी और सवा क्विंटल हवन सामग्री इस चंडी यज्ञ में अर्पित होती है। 151 तरह की जड़ी-बूटियां इसमें स्वाहा देवी को अर्पित होती है। हजारों रूपये की महंगी साड़ी जब अग्नि के माध्यम से मां को समर्पित होती है तब अग्नि का स्वरूप साक्षात देवीमय होता है। इस दौरान ही आप जिस कामना का संकल्प लेकर बैठते हैं मां स्वयं उपस्थित होकर उसका वरदान देती हैं। ऐसा त्वरित फलदाई यज्ञ दुर्लभ है अतः मौका मत चूकिए और 27 मार्च की सुबह 7 बजे बालाजीपुरम पहुंच जाइए। यज्ञ के बाद ठीक 12 बजे भगवान राम का जन्मोत्सव और फिर कन्यादेवी भोज के साथ भंडारा होगा।

पीआईसी की बैठक में 57 प्रस्तावों पर लगी मुहर...

बैतूल। नगरपालिका की पीआईसी की बैठक गुरुवार को बाल मंदिर के सभा कक्ष में आयोजित की गई। नपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में एजेंडे के 57 बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस बैठक में पीआईसी के मेंबरों द्वारा अति आवश्यक कार्यों के प्रस्ताव सौंपे गए, जिनमें विभिन्न निर्माण कार्य, मरम्मत, सामग्री क्रय और भुगतान से जुड़े प्रस्तावों पर पीआईसी की बैठक में मुहर लगी। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, नवागत सीएमओ नवनीत पांडे, पीआईसी सदस्य नीतेश (पिंटू)

परिहार, रघुनाथ लोखंडे, तरूण ठाकरे, विकास प्रधान, कल्पणा कैलाश धोटे, राजेश पानकर, रेणुका पवन यादव सहित अन्य सभापति व नपा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में नए कार्यों को भी हरी झंडी दे दी गई। बैठक में विभिन्न वार्डों से जुड़े निर्माण और मरम्मत कार्यों के साथ-साथ पूर्व में कराए गए कार्यों के भुगतान प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। साथ ही आवश्यक सामग्री की खरीदी के प्रस्ताव भी पारित किए गए। इसके अलावा बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-बजट, जलप्रदाय शाखा के लिए 2026-27 के लिए पोकलेन मशीन किराए से लेने, अमृत 2.0 में वूमन फार ट्री के अंतर्गत किए जाने वाले पौधरोपण में प्रोत्साहन राशि पचास रुपए दिए जाने एवं शहर के दो दर्जन वार्डों में सीसी वेयरिंग कोट रोड निर्माण, डामरीकरण, आरसीसी नाली निर्माण, सुलभ शौचालय, सीसी रोड बनाए जाने आदि विषयों पर भी सहमति बनी। इस दौरान बजट का अनुमोदन कर आगामी 30 मार्च को परिषद के होने वाले सम्मेलन में प्रस्तुत करने का निर्णय भी लिया गया।

सीएमओ नवनीत पांडे ने संभाला बैतूल नगर पालिका का प्रभार

बैतूल। बीते लगभग एक माह से बैतूल नगरपालिका में स्थाथी सीएमओ के नहीं होने से नगर पालिका के कामकाज रुके पड़े थे, आखिरकार आज गुरुवार को बैतूल नगरपालिका को स्थाथी सीएमओ मिल ही गया। वर्तमान में घोड़ाडोंगरी के प्रभारी सीएमओ एवं संयुक्त संचालक कार्यालय नर्मदापुरम में सहायक संचालक नवनीत पांडे को बैतूल नपा के सीएमओ का प्रभार कलेक्टर ने सौंप दिया। गुरुवार को उन्होंने बैतूल पहुंचकर नपा की कमान संभाल ली।

गौरतलब है कि विगत 26 फरवरी को नपा सीएमओ सतीश मटसेनिया को निलंबित किए जाने के बाद से बैतूल नपा बिना सीएमओ के ही चल रही थी। अस्थायी तौर पर बैतूल एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह को सीएमओ नपा बैतूल व परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण बैतूल का प्रभार सौंप दिया गया था। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग भोपाल के आयुक्त संकेत भोंडवे ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

सावधान शार्ट सर्किट की दुर्घनाओं से सबक लें

शार्ट सर्किट को हल्के में न लें, तुरंत ठीक करवाएं

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी नर्मदापुरम ने आमजन को आगाह किया है। कि घर अथवा संस्थान में कहीं भी शार्ट सर्किट हो रहा है । उसे हल्के में न लें, बल्कि तुरंत इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर ठीक करवाएं। ऐसे में जरा सी असावधानी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके लिए आमजनों को भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करना आवश्यक है।कंपनी ने आगाह किया है कि यदि घरों में अर्थिंग नहीं है ।ऐसी परिस्थिति में वायरिंग के पहले अर्थिंग जरूर दें। इसके साथ ही घटिया या सस्ती वायरिंग की बजाय मानक स्तर की वायरिंग करवाएं। ताकि शार्ट सर्किट से होने वाली हानियों से बचा जा सके। एक अनुमान के मुताबिक ज्यादातर शार्ट सर्किट की घटनाएं या तो घटिया वायरिंग के कारण होती हैं। या फिर ज्यादा समय से पुरानी वायरिंग होने के चलते शार्ट सर्किट की घटनाएं होती हैं। इसलिए जरा सी लापरवाही महंगी पड़ सकती है। बिजली कंपनी आपको पुरानी वायरिंग की जगह मानक स्तर की नई वायरिंग करवाने की सलाह देती है, ताकि शार्ट सर्किट की घटनाओं से बचा जा सके।यदि विद्युत लाइनों से संबंधित किसी भी तरह की शिकायत हों तो तत्काल कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर, उपाय एप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में अवश्य दें।मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू विद्युत उपकरणों, वायरिंग, स्विच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन की सेवाएं लें। मानव जीवन अमूल्य है। बिजली के स्विच, सॉकिट, बिजली उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रखें। स्वीकृत भार से अधिक लोड का उपयोग न करें। उचित क्षमता के एम.सी.सी.बी, कट-आउट लगाने के साथ ही अच्छी गुणवत्ता की वायरिंग का ही उपयोग करें। वर्ष में 1 बार अपने परिसर की वायरिंग, फिटिंग, अर्थिंग अनुभवी एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से अवश्य जांच कराएं, ताकि शार्ट सर्किट की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्तदल : कार्यवाही में रेत अवैध उत्खनन, परिवहन,भण्डारण करते 14 वाहन एवं 9 पोकलेन जेसीबी मशीन जप्त

सोहागपुर। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध जांच एवं कार्यवाही खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल जिसमें तहसीलवार गठित दल एवं संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म भोपाल से गठित दल द्वारा जिले में नियमित जांच एवं कार्यवाही की जा रही है।इसी क्रम में 24 मार्च 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पिपरिया ने तहसील-बनखेड़ी में 03 पोकलेन मशीन, 01 जे.सी.बी. मशीन, 09 ट्रक एवं 01 ट्रेक्टर ट्राली को अवैध उत्खनन परिवहन तथा ओवरलोडिंग करने पर जप्त किये हैं। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनीमालवा ने 02 डम्पर को रेत का ओवरलोड परिवहन करने पर जप्त किए गए। संयुक्त दल द्वारा ग्राम-मोहासा, तह.-माखननगर में रेत का अवैध भण्डारण पाये जाने पर

02 जेसीबी मशीन एवं ग्राम-रायपुर, तहसील नर्मदापुरम से रेत का अवैध उत्खनन करने पर 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया है। वहीं 25 मार्च 2026 को संयुक्त दल ने ग्राम-जासलपुर, तहसील नर्मदापुरम से 01 जेसीबी मशीन एवं ग्राम-मोहासा, तहसील-माखननगर से 01 जेसीबी मशीन एवं 01 लोडर को रेत का अवैध भण्डारण करने पर जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी ने 01 डम्पर को रेत का ओवरलोड परिवहन करते पाये जाने पर जप्त किया है। इस अभियान में रेत के अवैध भण्डारण में कुल 800 घमी रेत जप्त की गई है। जप्त वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकरण पंजीबद्ध करके जुर्माना राशि अधिरोपित करने की कार्यवाही की जावेगी। जिले में संयुक्त टीम द्वारा नियमित जाँच एवं कार्यवाही सतत जारी है।

विश्व क्षय दिवस पर जिले में 100 दिवसीय "टीबी मुक्त भारत अभियान 2026" का शुभारंभ

सांची विधायक डॉ चौधरी ने मुख्य आतिथ्य में जिला अस्पताल में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

रायसेन, (निप्र)। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर रायसेन में जिला अस्पताल में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में जिले में 'टीबी मुक्त भारत अभियान 2026' शुभारंभ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिले में 375 हाई रिस्क ग्रामों में टीबी उन्मूलन के लिए नई रणनीतियों को लागू करने की घोषणा की गई, जिनका उद्देश्य टीबी की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार एवं मृत्यु दर में और कमी लाना है। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ चौधरी ने सभी नागरिकों से निश्चय मित्र अभियान में सहयोग करने का आव्हान करते हुए कहा कि सभी को मिलकर रायसेन जिले को टीबी मुक्त बनाना है। कई बार जानकारी के अभाव में टीबी बीमारी जानलेवा हो जाती है। इसके लक्षण और उपचार के प्रति जनजागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है। टीबी के मरीज को नियमित रूप से 06 महीने तक दवाएं लेना जरूरी है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि अब टीबी मरीजों की पहचान बहुत आसान हो गई है। पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन के माध्यम से आसानी से टीबी मरीजों की समय पर पहचान हो जाती है और समय पर उपचार शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि टीबी के संभावित लक्षण होने पर तुरंत जांच करना चाहिए, इसे छुपाना या लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम में श्री राकेश शर्मा ने भी संबोधित किया। सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे ने बताया कि इस वर्ष अभियान के अंतर्गत टीबी नियंत्रण की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। सौ दिवसीय प्रथम फेस में 375 हाई रिस्क ग्रामों में लक्षण आधारित जांच के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त एक्सरे मशीन से स्क्रीनिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों एवं समुदाय स्तर पर हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से स्क्रीनिंग की जाएगी, जिससे संदिग्ध मरीजों की पहचान तेजी से संभव होगी। जिला क्षय अधिकारी डॉ यशपाल बाल्यान ने जानकारी दी कि जांच प्रणाली को और सशक्त बनाने के लिए एआई आधारित एनएएटी तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इससे टीबी की पुष्टि अधिक सटीक एवं शीघ्र हो सकेगी। इस 100 दिवसीय अभियान के तहत सभी आरोग्य केंद्रों पर टीबी जांच के साथ-साथ मरीजों की समग्र स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी, जिसमें बीएमआई (बीएमआई), एनीमिया, रक्तचाप (बीपी) तथा ब्लड शुगर की जांच शामिल है। इससे कुपोषण एवं सह-रुग्णताओं की पहचान कर उपचार को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।अभियान के दूसरे चरण में कार्यस्थलों जैसे फैक्ट्री, ईट भट्टो, माइनिंग क्षेत्र, रोड कंस्ट्रक्शन साइड पर टीबी स्क्रीनिंग कार्य किया जाएगा एवं अंतिम चरण में हाई रिस्क पॉप्युलेशन में स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा रायसेन जिले ने वर्ष 2025 में टीबी नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिले में टीबी मृत्यु दर 1.5 प्रति लाख रही, जो कि राज्य के औसत 2.7 प्रति लाख से कम है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, फील्ड स्टाफ एवं सामुदायिक सहयोग के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जिले में 297912 वालनरेबल समूह की टीबी के लिए स्क्रीनिंग की गई जिसमें से 101961 की एक्सरे से स्क्रीनिंग की गई एवं 18882 की नाट जांच की गई। स्क्रीनिंग के बाद 2416 में टीबी रोग की पुष्टि होने पर उपचार प्रारंभ किया गया। इन सभी को 16383 पोषण सामग्री का वितरण निश्चय मित्र के माध्यम से किया गया। समय पर चिकित्सक सलाह एवं सामाजिक सहयोग से 97 प्रतिशत मरीजों का उपचार पूर्ण किया गया। वर्तमान में 1407 टीबी मरीज उपचार ले रहे हैं। कार्यकम में लूपिन संस्था द्वारा सलामतपुर के लिए नाट मशीन डोनेट की गई एवं 300 टीबी मरीजों को संस्था द्वारा निश्चय मित्र बनकर एडॉप्ट किया गया। एलटी फाउंडेशन एवं लूपिन फाउंडेशन को टीबी कार्यक्रम मे सहयोग हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त सीएचओ वीरपुर बेगमगंज कविता नागले, सीएचओ गौहरगंज सरोज बाला, सीएचओ चुनहटिया सिलवानी मिनाज बानो को टीबी मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

विश्व क्षय दिवस पर टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का किया शुभारंभ

बैतूल, (निप्र)। जिला चिकित्सालय में 24 मार्च 2026 को विश्व क्षय दिवस मनाया गया। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रंजीत राठौर सर्जीकल विशेषज्ञ ने बताया कि मंगलवा से टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत घनी आबादी, झुग्गी झोपड़ियों, निर्माण स्थल, परिवहन केन्द्र, औदयोगिक क्षेत्र एवं प्रवासी श्रमिक समूह, बेघर आश्रय स्थल आदि स्थलों पर टीबी स्क्रीनिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि हमें प्रारंभिक अवस्था में ही टीबी के मरीज को खोजना है, ताकि मरीज को आसानी से ठीक किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि टीबी का मरीज बीच में ही दवाई खाना छोड़ देता है, हमे उसे पूरी दवाई खाने के लिए प्रेरित करना होगा। नोडल अधिकारी क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम डॉ श्रेयस ठाकुर ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान 100 दिवसीय अभियान में टीबी स्क्रीनिंग के साथ–साथ रक्त, शुगर के साथ अन्य जांच भी की जाएगी, टीबी को खत्म करना संभव है, संदिग्ध मरीज की समय पर जांच हो। जिले में अभी तक 222 पंचायत को टीबी मुक्त पंचायत किया है, हमारा लक्ष्य है कि हम जिले की सभी पंचायतों को टीबी मुक्त बनायेंगे। अभियान अंतर्गत जनजागरूकता, अभियान चलाकर टीबी के लक्षणों, उपचार की जानकारी, निक्षय पोषण योजना, फूड बास्केट की जानकारी, ग्राम पंचायत, आशा कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह के माध्यम से सामुदायिक बैठकों का आयोजन कर समुदाय तक पहुंचायेंगे, ताकि शत प्रतिशत लोगों की टीबी स्क्रीन की जा सके। इस वर्ष की थीम 'टीबी को खत्म कर सकते हैं, जन भागीदारी के सहयोग से' है। डीपीएम डॉ विनोद शाक्य ने कहा कि हम सीएचओ, आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में टीबी के प्रति समुदाय को जागरूक करें, ताकि वे स्वयं टीबी की जांच के लिए आगे आयें एवं प्रारंभिक अवस्था में ही उसका उपचार प्रारंभ किया जा सके। टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री बुधनी में आयोजित राष्ट्रीय उन्नत कृषि यंत्रीकरण प्रदर्शनी में हुए शामिल

सीहोर, (निप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी स्थित केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (सीएफएमटीटी) में आयोजित राष्ट्रीय उन्नत कृषि यंत्रीकरण प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बुधनी की इस पावन धरा के कण-कण में कृषि का कौशल विद्यमान है। उन्होंने कहा कि यहां आज जो प्रदर्शनी लगाई गई है, यह हमारे देश की कृषि की तकनीकी से समृद्धि तक की यात्रा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमारा भारत वह देश है जिसने दुनिया को खेती करना सिखाया है। आज भी कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की आय बढ़ाना है तो यह केवल परंपरागत तकनीकों से संभव नहीं है, इसके लिए हमें खेती में उन्नत एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र को मशीनों के प्रयोग का, प्रदर्शन का और किसानों के लिए प्रशिक्षण का देश का सबसे प्रमुख सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जो कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि

हमारी सरकार का उद्देश्य है कि सभी किसानों को खेती के लिए आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं, जिससे लागत कम हो और उत्पादन अधिक हो सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन अधिक हो सके, इसके लिए प्रयोगशालाओं में उच्च गुणवत्ता के बीज तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उत्पादन के लिए बेहतर बीजों की आवश्यकता होती है, इसलिए बुधनी में नेशनल सीड्स कॉर्पोरेशन के माध्यम से एक बीज प्रोसेसिंग सेंटर बनाया जाएगा, जो नए-नए बीज तैयार करेगा और किसानों को उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में बुधनी विधायक श्री रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, पूर्व विधायक श्री राजीव सिंह, श्री रघुनाथ भाटी, श्री रवि मालवीय, संयुक्त सचिव भारत सरकार सुश्री रुक्मणी सुंदरम सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान, स्व-सहायता समूह की दीदियां और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भूकम्प की पूरी तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

हरदा, (निप्र)। भूकम्प पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के नेतृत्व में भूकम्प आपदा जोखिम प्रबन्धन एवं ध्वस्त संरचना, खोज एवं बचाव का 5 दिवसीय प्रशिक्षण 23 मार्च सोमवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण में हरदा जिले के महाविद्यालय के प्रोफेसर, प्राचार्य, विद्यालय के प्रतिनिधि, ग्रामीण व शहरी निकाय के अधिकारी एवं राष्ट्रीय केडेट कौर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ, सिविल डिफेन्स वालेन्टियर एवं स्वयं सेवी संगठन के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय ने किया। प्रशिक्षण में प्लाटून कमाण्डर होमगार्ड हरदा श्री जे.एल. कोठारी, जिला चिकित्सालय हरदा से डॉ. नवीन कुमार जैन, प्लाटून कमाण्डर जबलपुर श्री संदीप चौधरी ने भूकम्प आपदा जोखिम प्रबन्धन एवं ध्वस्त संरचना खोज एवं बचाव तथा प्रथमोपचार विषय पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण में प्लाटून कमाण्डर होमगार्ड हरदा श्री जे.एल. कोठारी, हवलदार श्री दीपक ठाकुर, आरक्षक श्री कैलाश तोमर, होमगार्ड व एसडीईआरएफ के जवान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्रावासों के वार्डन पद प्रभार परिवर्तन हेतु कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन, (निप्र)। जिला शिक्षा केंद्र रायसेन के माध्यम से संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक /बालिका छात्रावासों वार्डन पद प्रभार परिवर्तन के संबंध में मंगलवार को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, जिला पंचायत की स्थाई शिक्षा समिति के अध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक द्वारा बताया गया कि रायसेन जिले में 08 बालिका एवं 01 बालक छात्रावास (औबेदुल्लागंज क्रमांक-1, औबेदुल्लागंज क्रमांक-2, गोरखपुरा, उदयपुरा, सिलवानी, सियरमऊ, जमुनिया, सांचेत एवं तामोट) संचालित है। शासन के निर्देशानुसार इन छात्रावासों में कार्य करते हुए जिन वार्डन की कार्यावधि तीन वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उनके पद प्रभार परिवर्तित करने हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त हुए थे। इन निर्देशों के अधीन छात्रावास से लिंक माध्यमिक शाला की महिला शिक्षकों से सहमति/असहमति प्राप्त की गई।

सरसों भी बनी भावांतर योजना का हिस्सा, कृषि वर्ष 2026 में किसानों को मिली बड़ी सौगात

सीहोर, (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने का निर्णय प्रदेश के किसानों के लिए नई उम्मीद और विश्वास लेकर आया है। सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी फसलों को उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। इसी क्रम में हाल ही में प्रदेश सरकार ने सरसों की फसल को भी भावांतर भुगतान योजना में शामिल करने का निर्णय लेकर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। इससे पहले सोयाबीन फसल पर भावांतर योजना का लाभ दिलाकर सरकार ने किसानों के हित संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया था, वहीं अब सरसों उत्पादक किसानों को भी इस योजना से जोड़ा जाना कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से खासतौर पर रबी सीजन में सरसों की खेती करने वाले किसानों में उत्साह और संतोष का वातावरण देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें अक्सर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन भावांतर योजना के माध्यम से अब उन्हें न्यूनतम मूल्य की सुरक्षा मिल सकेगी। सीहोर जिले के ग्राम बमुलिया दोराहा निवासी सरसों उत्पादक किसान श्री थानसिंह मीना ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझते हुए लगातार निर्णय ले रही है। उन्होंने बताया कि सरसों को भावांतर योजना में शामिल किया जाना किसानों को उचित दाम दिलाने वाला फैसला है, जिससे खेती को मजबूती मिलेगी और किसानों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसानों का मानना है कि वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित करना केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं बल्कि कृषि को केंद्र में रखकर विकास की नई दिशा तय करने का प्रयास है। सिंचाई, फसल संरक्षण, समर्थन मूल्य और बाजार सुरक्षा जैसे विषयों पर सरकार की सक्रियता से खेती लाभकारी बनने की ओर अग्रसर है। किसान श्री थानसिंह मीना ने कहा कि प्रदेश सरकार खेती को घाटे का सौदा नहीं बल्कि सम्मानजनक और लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सरसों को भावांतर योजना में शामिल किए जाने से प्रदेश के लाखों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। किसानों का कहना है कि सरकार के ऐसे निर्णय खेती के प्रति नई ऊर्जा पैदा करते हैं और युवाओं को भी कृषि से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कृषि वर्ष के दौरान लिए जा रहे किसान हितैषी निर्णय यह संदेश दे रहे हैं कि प्रदेश सरकार का मूल लक्ष्य किसान समृद्धि के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है।

सरसों के भावांतर योजना में शामिल होने से खुश हैं सीहोर के सरसों उत्पादक किसान

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक संपन्न

सीमांकन, फार्मर आईडी के कार्यों सहित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें : कलेक्टर

विदिशा, (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज शिकायतों के निराकरण के लिए विभाग वार अधिकारियों से संवाद कर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में प्रदेश स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में क्रियान्वित गतिविधियों के संबंध में भी सभी विभागों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अभियान अवधि 19 मार्च से 30 जून तक विभागों द्वारा जल स्त्रोतों को संवारने तथा वृक्षारोपण के संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि लंबित शिकायतों का शीघ्र अतिशीघ्र समय सीमा में संतुष्टि के साथ निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि प्रदेश स्तरीय जारी ग्रेडिंग सूची में जिले की स्थिति बेहतर बनी रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने खासकर लंबित सीमांकन के प्रकरणों को आगामी दो सप्ताह के भीतर निपटाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तहसीलदारों को भी निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में भूमि में फसल लगी हुई है वहां भी तहसीलदार स्वयं जाकर खेत का निरीक्षण करें और आवश्यक कार्रवाई संपादित करें। साथ ही उन्होंने किसानों की फार्मर आईडी बनाए जाने हेतु किये जा रहे कार्यों के संबंध में भी निर्देश दिए की सभी एसडीएम फार्मर आईडी के कार्यों पर भी ध्यान दें ताकि फार्मर आईडी बन जाने से किसानों को योजनाओं व अन्य कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा का सामना ना करना पड़े।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत चना, मसूर एवं सरसों भावांतर योजना अंतर्गत ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन कार्यों की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने तहसील वार दर्ज पंजीयन की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा भी की है। इसके अलावा उन्होंने जीएफएस पोर्टल पर ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्र योजना तथा जिले में बैलर मशीन की उपलब्धता के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास प्लस के तहत क्रियान्वित कार्यों की भी गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवास योजना में राशि व जिओ टैग के संबंध में किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा अनावश्यक राशि तो नहीं ली जा रही पर विशेष ध्यान दें। साथ ही साथ उन्होंने पीएम जनमन आवास योजना में लाभान्वित हितग्राहियों जिनके पक्के आवास बन गए हैं वहां पानी, बिजली सहित बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो के लिए भी निर्देश दिए हैं। बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत आयुष्मान कार्ड की प्रगति की भी समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए हैं कि इस योजना अंतर्गत बच्चे स्कूल और आंगनवाड़ी में उपस्थित हो रहे हैं या नहीं हितग्राहियों को राशन प्राप्त हो रहा है या नहीं के संबंध में भी संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, ग्यारसपुर एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

सरे बाजार छात्रा का अपहरण, चकमा देने कार बदली,,पुलिस ने 4 घंटे पीछा कर बॉयफ्रेंड सहित 5 आरोपियों को पकड़ा

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में सोमवार दिनदहाड़े 16 वर्षीय छात्रा के अपहरण का मामला सामने आया है। बॉयफ्रेंड अपने 4 दोस्तों के साथ मिलकर मेन मार्केट से छात्रा को अगवा कर कार में ले गया। पुलिस को चकमा देने के लिए माखन नगर में कार बदल ली। डायल 112 को सूचना मिलने पर सोहागपुर पुलिस ने माखन नगर और बकतरा पुलिस की मदद से घेराबंदी की। पुलिस ने 4 घंटे के भीतर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों कार जब्त कर लड़की को सुरक्षित परिजन को सौंप दिया है।

भाई ने नोट किया कार का नंबर, पिता ने पुलिस बुलाई : पुलिस के मुताबिक, आरोपी हमजा खान, रिजवान खान और जाहिद खान ने छात्रा को लाल रंग की स्विफ्ट कार में अगवा किया था। वे बाबई की तरफ भाग निकले। यह घटनाक्रम लड़की के भाई ने देख लिया। भाई ने कार का पीछा कर कार का नंबर नोट किया और पिता को जानकारी दी। इसके बाद पिता ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने स्ठह्लक्क संजू चौहान को अवगत कराया और उनके निर्देश पर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपियों की घेराबंदी शुरू की। पुलिस से बचने और उन्हें भटकाने के लिए आरोपियों ने माखन नगर में रिजवान और जाहिद की स्विफ्ट कार से लड़की और मुख्य आरोपी हमजा को उतार दिया। इसके बाद हमजा के दोस्त सलमान और संजू (संजीव) सफेद रंग की क्रेटा कार (रूक्क 04 श्वड्ढ 5219) से लड़की और हमजा को लेकर वापस सोहागपुर की फॉरेस्ट कॉलोनी आ गए। वहीं, पहली कार (स्विफ्ट) को रिजवान और जाहिद नसीराबाद होते हुए बकतरा की तरफ ले गए।

कलेक्टर ने आगंनबाड़ी में बच्चों को प्रदान किए विद्यारंभ प्रमाण पत्र

सीहोर, (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विद्या आरंभ प्रमाण पत्र वितरण एवं ग्रेचुएशन सेरेमनी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 05 से 06 वर्ष आयु वर्ग के पंजीकृत बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ग्राम जमोनिया तालाब के आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित विद्यारंभ कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि विद्यारंभ कार्यक्रम प्रारंभिक शिक्षा को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। राज्य में पहली बार आंगनवाड़ी केंद्रों में शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को 'विद्यारंभ प्रमाण-पत्र' प्रदान कर उन्हें औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर अग्रसर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यारंभ प्रमाण-पत्र पहल से न केवल बच्चों की शैक्षणिक यात्रा में निरंतरता सुनिश्चित होगी बल्कि समुदाय में आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रति विश्वास और सहभागिता भी बढ़ेगी। इससे बच्चों का स्कूल से जुड़ाव मजबूत होगा और भविष्य में ड्रॉपआउट दर कम करने में भी मदद मिलेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के अनौपचारिक शिक्षा से औपचारिक विद्यालयी प्रणाली में सुगम प्रवेश को सुनिश्चित करना, परिवार और समुदाय को शाला पूर्व शिक्षा के प्रति जागरूक करना तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को प्रारंभिक शिक्षा के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, रॉकेट लर्निंग और पीरामल फाउंडेशन जैसी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है।

नर्मदापुरम में अवैध खनन पर भोपाल की टीम के छापे

शिवराज की फटकार के बाद एक्शन; मोहासा से 2 जेसीबी और रायपुर खदान से 1 ट्रैक्टर जब्त

नर्मदापुरम, (निप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 14 मार्च को सीहोर में दिशा समिति की बैठक में अवैध उत्खनन का मुद्दा उठाने के बाद राज्य सरकार ने सख्ती दिखाते हुए नर्मदापुरम में कार्रवाई के लिए भोपाल से 5 सदस्यीय विशेष टीम भेजी है। मंगलवार शाम को उप संचालक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में पहुंची इस टीम ने रायपुर खदान से रेत चोरी करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में बिना रॉयल्टी सिविल वर्क कर रही 2 कंपनियों की 2 जेसीबी जब्त की हैं। टीम अगले 7 दिनों के भीतर नर्मदापुरम, सीहोर और विदिशा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण नेटवर्क की गहराई से जांच कर विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपेगी, जिससे रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। बता दें कि पूर्व सीएम और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 मार्च को सीहोर में अधिकारियों को फटकार लगाते हुए अवैध उत्खनन का मुद्दा उठाया था।

उन्होंने अवैध उत्खनन के वीडियो वाली पेन ड्राइव कलेक्टर सहित सीएम हाउस में सौंपी थी। जिसके बाद प्रदेश सरकार ने नेटवर्क को तोड़ने के लिए बड़ा फैसला लेते हुए जांच की जिम्मेदारी स्थानीय माइनिंग अधिकारियों से हटाकर दूसरे जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष टीम को दी है।

रायपुर खदान में टीम को देख भागे ड्राइवर-मजदूर : भोपाल से आई 5 सदस्यीय टीम ने मंगलवार शाम को नर्मदापुरम की रायपुर खदान में छापा मारा।

यहां से रेत चोरी करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। हालांकि, रेत चोर इतने शातिर थे कि टीम को देखते ही मजदूर और ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकले। इसके अलावा बनखेड़ी में भी पिपरिया एसडीएम आकिब खान के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए एक डंपर पकड़ा है। ट्रैक्टर को टीम ने माखननगर थाने में खड़ा कराया है।

मोहासा में बिना रॉयल्टी काम कर रहीं 2 जेसीबी जब्त

टीम ने मोहासा औद्योगिक क्षेत्र पहुंचकर भी सिविल वर्क कर रही कम्पनियों की रेत, मिट्टी, गिट्टी की रॉयल्टी और अनुमतियां जांचीं। इंसुलेशन ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (प्लाट नंबर 4) पर नीतिका इंटरप्राइजेस और लैंडमिल रिन्युवल प्राइवेट लिमिटेड के प्लाट पर केपिटल कंस्ट्रक्शन इंदौर द्वारा भंडारित रेत से सिविल वर्क किया जा रहा था। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया, 'मोहासा से दो जेसीबी को पकड़ा है। जहां भंडारित रेत को उठाने का कार्य हो रहा था। रेत की रॉयल्टी के बारे में पूछा, जो उन्होंने दिखाई नहीं। इसलिए दोनों जेसीबी को थाने में खड़े कराया है।'

15 से ज्यादा कंपनियों का काम जारी

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में 15 से ज्यादा कंपनियों के प्लांट और बिल्डिंग बनाने के लिए सिविल वर्क जारी है, जहां बिना रॉयल्टी बड़े स्तर पर रेत, मिट्टी और गिट्टी की खपत हो रही है। कुछ संगठित माफिया मिट्टी और रेत का परिवहन कर रहे हैं।

भोपाल और नर्मदापुरम के ये अधिकारी टीम में शामिल

खनिज संचालनालय भोपाल की इस टीम द्वारा की गई कार्रवाई से मोहासा में सन्नाटा पसरा हुआ है। टीम में भोपाल के उप संचालक सोहन बघेल के नेतृत्व में मुख्य खनिज अधिकारी धनराज काटूलकर, सहायक खनिज अधिकारी मुकेश सिंह और चेन सिंह डामोर शामिल हैं। इनके साथ स्थानीय स्तर पर जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम और निरीक्षक केके परस्ते भी कार्रवाई करने पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने सपत्नीक श्री अंगारेश्वर महादेव का पूजन-दर्शन कर किया अभिषेक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को उज्जैन स्थित अंगारेश्वर महादेव मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अंगारेश्वर महादेव का पंचामृत से अभिषेक कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तक खुला रहेगा पोर्टल

भोपाल (नप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों के व्यापक शैक्षणिक हितों एवं भविष्य की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए, स्नातक (द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष) तथा स्नातकोत्तर (तृतीय सेमेस्टर) के परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश नवीनीकरण (Admission Renewal) के लिए विशेष अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा डॉ. दिवा मिश्रा ने बताया कि यह विशेष सुविधा उन विद्यार्थियों के लिए प्रदान की गई है, जो प्रवेश नवीनीकरण के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत पूरक परीक्षा परिणामों की घोषणा के कारण नियत समय-सीमा में अपनी प्रवेश औपचारिकताएं पूर्ण करने से वंचित रह गए थे। प्रवेश पोर्टल को 28 मार्च 2026 तक सक्रिय (Activate) किया जा रहा है। संबंधित विद्यार्थी, इस विस्तारित अवधि का लाभ उठाकर अपने प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों के शेष पात्र विद्यार्थियों का त्वरित चिन्हांकन कर, उनका प्रवेश नवीनीकरण एवं शुल्क समय सीमा में जमा करवाना सुनिश्चित करें। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह सुविधा सीमित अवधि के लिए ही उपलब्ध होगी, इसलिए सभी संबंधित विद्यार्थी एवं संस्थान निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें, जिससे किसी भी विद्यार्थी की शैक्षणिक निरंतरता बाधित न हो।

'अनाथ हूं मैं, मुंबई में मेरा 18 करोड़ का घर'

शादी के लिए 40 महिलाओं को फंसाया, अहमदाबाद की प्रोफेसर से 50 लाख ठगे

इंदौर (नप्र)। अहमदाबाद पुलिस ने देवास से अमित नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। वह मैट्रोमोनियल साइट के जरिए महिलाओं को शादी के नाम पर फंसाता था। इसके बाद उनसे ठगी करता था। अहमदाबाद की 33 वर्षीय महिला प्रोफेसर से उसने शादी के लिए 50 लाख रुपए ठग लिए। महिला विधवा थी। जांच में यह बात सामने आई है कि अमित ने अभी तक 40 महिलाओं के साथ ऐसा किया है।

देवास निवासी है अमित

दरअसल, अहमदाबाद पुलिस ने देवास निवासी अमित को गिरफ्तार किया है। उसका घर शालिनी रोड पर है। उसने अहमदाबाद की विधवा प्रोफेसर से शादी के नाम पर 50 लाख रुपए ठगे हैं। आरोपी ने पीड़ित महिला को बताया था कि वह इंदौर नगर निगम में सिविल कॉन्ट्रैक्टर है।

इमोशनली होता था अटैच

आरोपी अमित की दोस्ती महिला से मैट्रोमोनियल साइट पर हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी और शादी की बात होने लगी। वह महिला के संपर्क में नवंबर-दिसंबर 2024 में आया था। इस दौरान उसने महिला को बताया कि मैं अनाथ हूं। मां की मौत के बाद मेरे पिता ने दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद से अकेला हूं।

मुंबई में 18 करोड़ रुपए का फ्लैट- साथ ही आरोपी अमित ने कहा कि मैं इंदौर का बड़ा ठेकेदार हूं। मुंबई में मेरे पास 18 करोड़ रुपए का घर है। महिला उसके झांसे में आ गई है। दोनों के बीच बातचीत बढ़ती गई है। पीड़िता महिला के पति की 2022 में मौत हो गई थी। उसकी पांच साल की बेटी है। पीड़िता की मां मैट्रोमोनियल साइट पर उसका प्रोफाइल बनाई थी।

बीमारी के बहाने रुपए की ठगी

इसके बाद आरोपी अमित ने महिला से रुपए की ठगी शुरू कर दी। वह पिता के एक्सीडेंट, ईडी के छापे और परिवार में बीमारी के नाम पर रुपए की मांग करता था। सबसे पहले पीड़िता से मेडिकल इमरजेंसी के नाम पर पांच लाख रुपए लिए। फिर अन्य कामों के नाम पर करीब 50 लाख रुपए ठग लिए। प्रोफेसर ने पुलिस को बताया कि 27 फरवरी 2025 को आरोपी मेरे जन्मदिन पर अहमदाबाद आया था।

महिला ने दर्ज करवाई एफआईआर- वहीं, ठगी के एहसास होने पर पीड़ित महिला ने आरोपी अमित के खिलाफ 11 मार्च 2026 को सोला हाईकोर्ट थाना पुलिस में एफआईआर करवाई। इसके बाद से अहमदाबाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। आरोपी अमित को पुलिस गिरफ्तार कर अहमदाबाद ले गई है।

40 महिलाओं को फंसाया- अभी तक की जानकारी के अनुसार मैट्रोमोनियल साइट के जरिए अमित ने 40 से अधिक महिलाओं को फंसाया है। ये महिलाएं एमपी, मुंबई और गुजरात की हैं। आरोपी अमित को पकड़वाने में अभी छह महिलाओं की भूमिका रही है। पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

फिर खुलेंगी व्यापमं घोटाले की फाइलें

● सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और एमपी सरकार से पूछा- 320 पेजों की शिकायत पर अब तक क्या हुआ? ● अगली सुनवाई 16 अप्रैल 2026 को

नईदिल्ली/भोपाल (नप्र)। व्यापमं महाघोटाले की जांच की आंच एक बार फिर तेज होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक पारस सकलेचा की याचिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए सीबीआई और मध्य प्रदेश सरकार को स्पष्ट आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि सकलेचा द्वारा दी गई 320 पन्नों की डिटेल शिकायत पर अब तक क्या एक्शन लिया गया?

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने आदेश दिया कि जांच एजेंसी और राज्य शासन अब तक की गई पूरी जांच और दाखिल चार्जशीट का ब्यौरा शपथ पत्र (एफिडेविट) के साथ पेश करें। मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल 2026 को तय की गई है।

सकलेचा की ओर से सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा, सर्वम रितम खरे, विपुल तिवारी, इंद्रदेव सिंह मौजूद थे। वहीं शासन की ओर से अतिरिक्त एडवोकेट जनरल श्रीधर पोटराजू, सीबीआई की और से दविंदर पाल सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखा।

हाईकोर्ट ने कर दी थी याचिका खारिज- दरअसल, इंदौर हाईकोर्ट ने अप्रैल 2024 में सकलेचा की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वे इस मामले में सीधे तौर पर 'प्रभावित पक्ष' नहीं हैं। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सकलेचा के वकील विवेक तन्खा और उनकी टीम ने दलील दी कि भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायतकर्ता की भूमिका अहम होती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए जवाब तलब किया है।

केस फाइल- 11 साल का सफर और फाइलों में दबी शिकायत- 2014- एसटीएफ के विज्ञापन के बाद सकलेचा ने पुख्ता दस्तावेजों के साथ पहली शिकायत की।

2015- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जांच सीबीआई को मिली। सकलेचा ने दिल्ली में 320 पन्नों के दस्तावेज सौंपे।

2016- सीबीआई और एसटीएफ ने बयान दर्ज किए, लेकिन ठोस कार्रवाई के बजाय फाइलें विभाग-दर-विभाग घूमती रहीं।

2023- कार्रवाई न होने पर सकलेचा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

श्रद्धालुओं को सुविधाएँ उपलब्ध कराने में नहीं रखी जाएगी कोई कमी : मुख्यमंत्री

क्षिप्रा नदी पर निर्माणाधीन घाटों का किया निरीक्षण

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर निर्माणधीन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रखी जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अंगारेश्वर और श्री सिद्धवट के मध्य क्षिप्रा नदी पर बन रहे नए घाटों का अवलोकन भी किया। ये घाट आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के स्नान और अन्य सुविधाओं के लिए तैयार किए जा रहे हैं। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनिर्मित घाटों के लगभग 200 मीटर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए वस्त्र बदलने की व्यवस्था तथा सुविधाजनक स्थानों पर टॉयलेट बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख घाटों पर लगभग 200 मीटर की दूरी पर सुविधा घर विकसित करने के निर्देश भी दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों के आसपास श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए लगभग 500 मीटर की दूरी पर सीढ़ियाँ या अन्य पहुँच मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए, जिससे मुख्य घाटों तक पहुंचना आसान हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री सिद्धवट और श्री अंगारेश्वर मंदिर के बीच निर्माणाधीन पुल का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि पुल के निर्माण से दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच आवागमन सुगम होगा और श्रद्धालुओं को एक वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध होगा। घाटों पर स्नान के लिए लगभग 5 मीटर चौड़ा घाट तैयार किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं के आने-जाने के साथ बैठने की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों पर श्रद्धालुओं के बैठने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित करने के निर्देश दिए।

मार्च में तीसरी बार प्रदेश में गिरेगा पानी, आंधी चलेगी

27, 28-29 मार्च को उज्जैन, ग्वालियर-चंबल में अलर्ट, इससे पहले तेज गर्मी

भोपाल (नप्र)। एमपी में मार्च महीने में तीसरी बार मौसम बदलेगा। तेज गर्मी की बजाय 3 दिन तक बारिश होगी। इस दौरान आंधी भी चलेगी। मौसम केंद्र ने वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से 27, 28 और 29 मार्च को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में ज्यादा असर रहेगा। मार्च में आंधी-बारिश के दो दौर आ चुके हैं। एक दौर लगातार 4 दिन तक रहा। इस दौरान 45 से ज्यादा जिलों में आंधी-बारिश हुई। वहीं, 17 जिलों में ओले भी गिरे। इससे गेहूं, पपीता और केले की फसलें बर्बाद हुई है। अब तीसरा दौर 27 मार्च से शुरू होने की संभावना है। इससे पहले गुरुवार को तेज गर्मी का असर था। खासकर उज्जैन, भोपाल, सागर और नर्मदापुरम संभाग में गर्मी ज्यादा रहेगी।

एमपी के 5 शहरों में पारा 38 डिग्री के पार, भोपाल से गर्म उज्जैन- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई शहरों में गर्मी का असर तेज रहा। 5 शहर ऐसे रहे, जहां तापमान 38 डिग्री के पार पहुंच गया। 5 बड़े शहरों की बात करें तो सबसे गर्म उज्जैन रहा। यहां अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में 36.1 डिग्री, इंदौर में 36 डिग्री, भोपाल में 35.8 डिग्री और ग्वालियर में तापमान 35.1 डिग्री दर्ज किया गया। नर्मदापुरम में प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान रहा। यहां पारा 38.8 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में 38.6 डिग्री, खंडवा में 38.5 डिग्री, खरगोन-रायसेन में 38 डिग्री, धार-मंडला में 36.8 डिग्री, गुना में 36.5 डिग्री, खजुराहो में 36.4 डिग्री और बैतूल में तापमान 36.2 डिग्री रहा।

उज्जैन में चैत्र नवरात्रि पर महाष्टमी की पूजा

साधु-संतों ने मां महालया और महामाया को लगाया मदिरा का भोग

उज्जैन (नप्र)। चैत्र नवरात्रि की महाष्टमी पर उज्जैन में आज नगर पूजन किया गया। परंपरा अनुसार माता मंदिर में की गई महाआरती में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष शामिल हुए। उज्जैन के चौबीस खम्बा माता मंदिर में आज सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। यहां माता की पूजा राजा विक्रमादित्य करते थे। इसी परंपरा का निर्वाह अश्विन नवरात्रि में जिलाधीश और चैत्र नवरात्रि में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष द्वारा किया जा रहा है।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने लगाया मदिरा का भोग- महाष्टमी पर यहां अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी (निरंजनी अखाड़ा) ने माता को मदिरा का भोग लगाया और महाआरती की। माता की आरती के साथ शहर, प्रदेश और देश में सुख शांति के साथ खुशहाली की कामना की गई है। इस दौरान बड़ी संख्या में साधु-संत भी वहां मौजूद रहे हैं।

राजा विक्रमादित्य के समय से चली आ रही है परंपरा- दरअसल, उज्जैन में राजा विक्रमादित्य के समय से नगर पूजा की परंपरा चली आ रही है। अब इस परंपरा का निर्वाह उज्जैन के राजा अर्थात् जिला कलेक्टर द्वारा किया जाता है। वहीं, चैत्र नवरात्रि में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और अश्विन नवरात्रि में कलेक्टर पूजन करते हैं। इस पूजा में लगभग 27 किलोमीटर तक मदिरा की धार लगाई जाती है जो की शहर के कई देवी मंदिरों में जाती है।

सभी चलते हैं पैदल- वहीं, इस महापूजा में अखाड़ा परिषद के सदस्यों के साथ जिला प्रशासन के सदस्य और कई श्रद्धालु पैदल चलते हैं। सुबह प्रारंभ होकर यह यात्रा शाम तक खत्म होती है। यह यात्रा उज्जैन के प्रसिद्ध चौबीस खम्बा माता मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण के बाद ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर पर शिखर ध्वज चढ़ाकर समाप्त होती है। इस यात्रा की खास बात यह होती है कि एक घड़े में मदिरा को भरा जाता है, जिसमें नीचे छेद होता है। जिससे पूरी यात्रा के दौरान सड़क मार्ग, देवी मंदिरों में मदिरा की धार बहाई जाती है।

सुबह में ही हो गई थी शुरुआत- वहीं, इसी परंपरा को निभाने के लिए महाष्टमी के दिन आज सुबह अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज (निरंजनी अखाड़ा), जिला प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी चौबीस खम्बा माता मंदिर पर पहुंचे और देवी महालया और महामाया की पूजा कर देवी को मदिरा चढ़ाई गई। इस दौरान महामंडलेश्वर और अन्य साधु संत भी मौजूद थे। यह महाष्टमी की महापूजा सुबह 8 बजे से ढोल नगाड़ों के साथ शुरू हुई । बाद में प्रशासनिक अमला तहसीलदार के नेतृत्व में नगर पूजा पर निकल पड़ा। महापूजा की यात्रा में कोटवार के हाथ में एक कलश रहता है, जिसके पैंदे में छेद किया हुआ होता है ।

खिवनी अभयारण्य में जब 20 मिनट तक थमी रहीं सांसें !

घने जंगल से निकला बाघों का कुनबा, पर्यटकों के सामने आ गए 5 टाइगर

देवास (नप्र)। जंगल सफारी के लिए निकले पर्यटकों को उम्मीद नहीं थी कि घने जंगल में उन्हें शानदार, रॉयल और यादगार दृश्य नजर आने वाला है। अचानक से युवराज नाम का बाघ पर्यटकों के सामने आया तो सभी सांसे थामकर उसका दीदार करने लगे, लेकिन चंद मिनटों में कुछ ऐसा दिखा कि सभी चहक उठे। झाड़ियों ने अचानक बाघिन मीरा निकली और उसके ठीक पीछे-पीछे 3 शावक मस्ती से कुलाचें भरते बाहर निकले। आम धारणा के विपरीत बाघ, बाघिन के साथ नन्हें शावकों की परवरिश कर रहा है। दरअसल मध्य प्रदेश में देवास जिले के खिवनी अभयारण्य से आई इन 'रॉयल' फैमिली की तस्वीरों ने लोगों को रोमांचित कर दिया। बता दें कि टाइगर सफारी पर निकले पर्यटक ऐसे नजारे के लिए सालों-साल इंतजार करते हैं। जब कोई बाघ अपने शावकों के साथ घूमते नजर आता है। अमूमन मेल टाइगर को शावकों का दुश्मन माना जाता है, मौका मिलते ही वे उन्हें मार देते हैं, लेकिन खिवनी रिजर्व में इसके उलट नजारे दिख रहे हैं।

युवराज के आते पर्यटक ठिठक गए- खिवनी रिजर्व में सफारी पर निकले पर्यटक वाहनों के सामने बीते रोज अचानक से झाड़ियों के बीच से बाघ 'युवराज' किसी राजा की तरह सड़क पर आकर खड़ा हो गया। पर्यटकों के वाहन वहीं ठिठक गए। रोमांच तो तब और बढ़ गया जब युवराज के पीछे-पीछे बाघिन 'मीरा' अपने तीन नन्हें शावकों के साथ सड़क पार करने लगी।

नन्हे शावक मां के पीछे सुरक्षित सड़क पार करते नजर आए- जंगल में करीब 20 मिनट तक यह बाघ परिवार सड़क पर अपनी मौजूदगी रहा। बाघ युवराज ने पहले पूरे इलाके का जायजा लिया, नन्हे शावक अपनी मां मीरा के पीछे सुरक्षित तरीके से सड़क पार करते नजर आए। पर्यटकों ने पूरे 'बाघ परिवार' को एक ही फ्रेम में कैद कर लिया, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकार ऐसे मूवमेंट को 'वन्स इन ए लाइफटाइम' अवसर बताते हैं।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से जुड़ा खिवनी अभयारण्य

देवास और सीहोर के बीच फैला 130-140 वर्ग किमी का यह अभयारण्य अब बाघों के लिए सुरक्षित स्वर्ग बन गया है। यह जंगल सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से जुड़ा है, जिससे बाघों का आना-जाना बना रहता है। विभाग के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में यहां बाघों की संख्या और उनकी सक्रियता बढ़ी है। नाले और घने जंगल बाघों को छिपने और शिकार के लिए मुफीद माहौल देते हैं।